- खगडिया संस्करण
- वर्ष: 5
- अंक: 159
- मूल्य ₹ 2.00
- पृष्ठ 06
- Reg: UDYAM-BR-17-0007168

दैनिक बिहार पत्रिका

सच के साथ

पटना। बुधवार, 30 अक्टूबर 2024 web_dainikbiharpatrika.com Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com

सभी जारी योजनाओं का कार्य निर्धारित समय पर पूर्ण कराना सुनिश्चित करें- डीएम

दैनिक बिहार पत्रिका प्रतिनिधि

छपरा। जिलाधिकारी अमन समीर ने मंगलवार को विभिन्न विभागों के तकनीकी पदाधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक किया। ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता को मेंटेनेंस अवधि से बाहर की मरम्मती योग्य प्रमुख सड़कों की प्राथमिकता सूची तैयार कर प्रस्तुत करने का निदेश दिया गया। सूची के अनुरूप पथों की मरम्मती हेतु विभाग को प्रस्ताव भेजा जायेगा।पथ निर्माण विभाग की दो सड़कों को जोड़ने वाली ग्रामीण कार्य विभाग की सड़कों की भी सूची तैयार कर पथ निर्माण विभाग को भेजी जायेगी । पथ प्रमण्डल एवं

एनएच के अभियंताओं को भी योजनाओं के क्रियान्वयन में टाइम लाइन के अनुरूप कार्य करने को कहा गया।पुल निर्माण निगम द्वारा बाजार समिति के जीर्णोद्धार, खैरा आरओबी, छपरा डबल डेकर परियोजना आदि की जानकारी ली गई। डबल डेकर के नीचे दोनों तरफ के लेन का पक्कीकरण कार्य एक महीने में पूरा करने का निदेश दिया गया। भवन प्रमण्डल द्वारा मंडल कारा में कराये जा रहे कार्य, सिविल कोर्ट में लॉयर हॉल , आपूर्ति श्रृंखला भवन, उत्पाद कार्यालय एवं बैरक निर्माण, आईटीआई छपरा, महिला आईटीआई , अनुसूचित जाति/जनजाति छात्रावास आदि का कार्य को निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत पूरा करने का निदेश दिया गया। नये समाहरणालय भवन के निर्माण हेतु भवन का डिज़ाइन को फाइनल कराकर निविदा की प्रक्रिया हेतु कार्रवाई का निदेश दिया गया। स्थानीय क्षेत्र अभयंत्रण संगठन द्वारा पंचायत सरकार भवन एवं शिक्षा विभाग की योजना के तहत अतिरिक्त वर्ग कक्ष एवं शौचालयों के निर्माण की प्रगति के बारे में जानकारी ली गई। बताया गया कि एलएईओ द्वारा अद्यतन 26 पंचायत सरकार भवन का निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया है। जिलाधिकारी ने साप्ताहिक जाँच अभियान के तहत निर्माणाधीन पंचायत सरकार भवन की भी जाँच कराने का निदेश दिया। बैठक में विकास शाखा प्रभारी सहित सभी संबंधित विभागों के कार्यपालक अभियंता एवं सहायक अभियंता उपस्थित थे।

एनवाईके व कैट ने मिलकर हथुआ मार्केट में चलाया स्वच्छता अभियान

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

नेहरू युवा केंद्र सारण छपरा एवं कैट छपरा के संयुक्त तत्वाधान में दिवाली विद माई भारत कार्यक्रम के दूसरे दिन स्वच्छता अभियान शहर के हथुआ मार्केट छपरा में किया गया कार्यक्रम में उपस्थित कैट के जिला इकाई के अध्यक्ष वरुण प्रकाश ने की। स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक किया एवं वहाँ के दुकानदारी, व्यापारियों से मार्केट को स्वच्छ रखने का आग्रह किया। यह कार्यक्रम माई भारत संगठन के प्रथम वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाया जा रहा है । साथ ही दूसरी ओर सत्य नारायण प्रसाद यादव लेखा एवं कार्यक्रम सहायक नेहरू युवा केंद्र सारण छपरा ने 'दिवाली विद माई भारत के बारे में विस्तार से बताया एवं माई भारत के स्वछता कार्यक्रम के चिन्हित जगहों को भी बताया कि इन जगहों पर स्वछता अभियान चला कर लोगों की अधिक से अधिक जागरुक किया जा सके। कार्यक्रम में विशेष रूप से सगर निगम के कर्मचारी, स्वयंसेवक सहित कुल 55 से अधिक लोगों में इस कार्यक्रम में भाग लिया।। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कबीर कैट सदस्य गुड्डू शर्मा,संदीप कुमार, विनय कुमार ,देवन्तो देवी,विजय चौधरी,धीरज कुमार, गोविंद दास एम टी एस नगर निगम के कर्मचारियों एवं कैट अन्य सदस्यों में नीरज कुमार,अभिषेक कुमार,सौरभ कुमार, कुमारी विमल सैनी,कृष्ण प्रसाद आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

स्कूल में चोरी, छानबीन में जुटी पुलिस

संवाददाता/समस्तीपुर

विद्यापतिनगर। प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय मलकलीपुर को सोमवार रात चोरों ने निशाना बनाया। रसोई कक्ष का ताला काटकर चोर दो गैस सिलेंडर ले गए। मंगलवार सुबह जब शिक्षक स्कूल पहुंचे तो चोरी की जानकारी हुई। प्रधानाध्यापक ने पुलिस को आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। प्रधानाध्यापक रमण कुमार रमण ने बताया कि चोर रसोई घर में खाना बनाने के लिए रखें दो गैस सिलेंडर ले गए हैं। साथ ही दरवाजे पर लगी ताला को काटकर अपने साथ ले गया। उन्होंने इसकी जानकारी विभाग के अधिकारियों को दी है। थानाध्यक्ष फिरोज आलम ने बताया कि मामले को लेकर शिकायत मिली है। मौके पर जांच-पड़ताल की गई है। छानबीन के बाद प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। संबंधित दोषी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

संस्कृति द मॉडल स्कूल : रंगोली प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

दैनिक बिहार पत्रिका प्रतिनिधि

छपरा। शहर के संस्कृति द मॉडल स्कूल परिसर में मंगलवार को रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

छात्र छात्राओं ने भाग लेते हुए इस प्रतियोगिता में आकर्षक रंगोलियां सजाई। इन रंगोलियों में भारतीय संस्कृति और परंपरा को दिखाने के लिए शुभ दीवाली, मोर, श्री महालक्ष्मी के चरण, स्वस्तिक, भारतीय परिधान में स्त्री, पर्यावरण को बचाने का संदेश देने वाले पेड़-पौधे और गांवों की झलक, तिरंगा, सभी धर्मों को समाहित करते हुए चित्र एवं विभिन्न प्रकार की मनमोहक आकृतियां उकेरी गईं।

इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों द्वारा एक से बढ़कर एक क्राफ्ट व आकर्षक रंगोली बनाई गई। मौके पर उपस्थित विद्यालय आचार्य डॉ0 हरेराम शास्त्री ने बताया कि विद्यालय में पढ़ाई के साथ साथ इस तरह के कार्यक्रम होते रहते हैं। जिससे बच्चों में प्रतिस्पर्धा बना रहे। उन्होंने कहा कि क्राफ्ट व रंगोली प्रतियोगिता को लेकर छात्रों में काफी उत्साह रहता है। इस मौके पर विद्यालय के प्राचार्य संदीप आंनद,बलवीर दुबे, सरोज कुमार, प्रतिमा जी, अम्बुज श्रीवास्तव, प्रकाश जी, श्याम जी, प्रभात जी तौकीर जी, प्रज्ञा जी, धर्मेंद्र तिवारी आदि उपस्थिति रहे।

संस्कृत शिक्षकों ने सर्वसम्मति से लिया संघ बनाने का फैसला

दैनिक बिहार पत्रिका प्रतिनिधि

छपरा। गोवर्धन दास उत्सव पैलेस में एक सभा का आयोजन किया गया। जिसमे सारण जिले के लगभग 22 संस्कृत स्कूल के शिक्षकों ने हिस्सा लिया और सभी शिक्षकों ने एक स्वर में जिले में एक संघ निर्माण की आवाज बुलंद की। सभा की अध्यक्षता सुरेश्वर नाथ पाण्डेय पूर्व प्रधानाध्यापक झखरी ने की तथा कार्यक्रम का उद्घाटन आचार्य धनंजय मिश्र और रजनीश बाबा के मंत्रोचारण के बीच आचार्य सुरेशवर नाथ पाण्डेय ने किया। इस मौके पर जिले के विभिन्न संस्कृत विद्यालयों के शिक्षक शिक्षिकाओं के साथ हरेंद्र सिंह,उपेंद्र मिश्र,आचार्य धनंजय मिश्र, आचार्य रंजीत पाण्डेय, सोनू पाण्डेय,आलोक पाण्डेय आदि ने भी अपनी अपनी बातें रखी तथा सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि आगामी नवंबर महीने में एक आयोजन कर चुनाव के माध्यम से सक्रियता के साथ विधिवत रूप से कार्य करने वाले संस्कृत शिक्षक संघ का गठन कर संस्कृत जगत का विकास किया जाएगा। बैठक में जिले के संस्कृत स्कूल से आए हुए शिक्षक -शिक्षिकाओं ने अपने विचार प्रकट किए । इस मौके पर सुरेश्वर पांडेय,रामबहादुर यादव,उपेंद्र मिश्र,आचार्य डॉ0 हरेराम शास्त्री,हरेंद्र सिंह,सौरभ पांडेय,पूनम त्रिपाठी,आशुतोष तिवारी,बिजेंद्र पाठक,उपेंद्र सिंह,गुड़िया कुमारी,प्रीति सिंह,सुरेंद्र ओझा सहित अन्य उपस्थित थे।

दर्द से कराहता रहा मरीज, पीएचसी पातेपुर में इमरजेंसी वार्ड से गायब मिला डाक्टर

- इमरजेंसी वार्ड में दर्द से कराहता युवक

दैनिक बिहार पत्रिका प्रतिनिधि

वैशाली। जिला के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पातेपुर में मंगलवार को दोपहर बारह बजे सड़क दुर्घटना में घायल युवक दर्द से कराहता रहा,क्यों कि इमरजेंसी वार्ड में कोई डॉक्टर नहीं मिले।लगभग आधा घंटा बाद एक डाक्टर आए और उन्होंने इलाज शुरू किया। मरीज को लेकर आए लोगों ने कहा कि इमरजेंसी वार्ड में डॉक्टर बहुत देर से गायब हैं।

बुलाने भी गए है तो उन्होंने कहा कि चलिए आ रहे हैं और बहुत देर बाद डॉक्टर इमरजेंसी वार्ड में आए तब घायल मरीज का इलाज शुरू किए। आखिर कब तक चलेगी इस तरह की लापरवाही,अगर इस तरह की लापरवाही से किसी मरीज की जान जाती है तो कौन होगा इसका जिम्मेदार? अब देखना यह है कि संबंधित डाक्टर पर विभाग क्या कार्रवाई करती हैं?

शिक्षिका रंजू कुमारी को मिला महर्षि विश्वामित्र गुरु सम्मान

द टीचर्स ऑफ बिहार हिस्ट्री मेकर 2024 पुरस्कार से भी किया जा चुका है सम्मानित

दैनिक बिहार पत्रिका प्रतिनिधि

छपरा। महर्षि विश्वामित्र गुरु सम्मान का आयोजन विकास फैमिली क्लब के बैनर तले बक्सर में किया गया।जिसके मुख्य अतिथि के रूप में डॉ अमरदीप अध्यक्ष, बाल संरक्षण आयोग पटना बिहार ने शिक्षा जगत के विकास पर अपनी सर्वमौखिक बातें रखीं । इस कार्यक्रम में सारण के अमनौर प्रखण्ड अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय अमनौर सुल्तान की शिक्षिका रंजू कुमारी को डॉ0 नरेंद्र पाठक निदेशक, जगजीवन राम संसदीय अध्ययन एवं राजनीतिक शोध संस्थान, पटना द्वारा महर्षि विश्वामित्र गुरु सम्मान 2024 से सम्मानित किया गया। शिक्षिका को पुरस्कार के साथ प्रशस्ति पत्र, किताब,अंगवस्त्र, मोमेंटो, मेडल एवं तुलसी का पौधा प्रदान किया गया। बता दे कि शिक्षिका रंजू कुमारी को द टीचर्स ऑफ बिहार हिस्ट्री मेकर 2024 पुरस्कार से पटना में सम्मानित किया जा चुका है। यह सम्मान बिहार के उन शिक्षकों को प्रदान किया जाता है, जो विद्यालय अवधि के बाद भी लगातार ऑनलाइन शिक्षा देने का काम करते हैं। इस समारोह में बिहार के 38 जिला से लगभग ढाई सौ सरकारी विद्यालय के शिक्षकों को सम्मानित किया गया। यह शिक्षक सम्मान एक ऐसा सम्मान है,

जो सोशल मीडिया नवाचार शिक्षा का बहुत बड़ा प्लेटफार्म है, जो सदैव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के माध्यम से बच्चों के बीच विभिन्न प्रकार के शैक्षणिक कार्यों को संपादित करता है।

धनतेरस और दीपावली पर बाजार रहा चहल-पहल

दैनिक बिहार पत्रिका/उमाकांत साह

चांदन/बांका:- दिपावली पर्व के अवसर पर धनतेरस के मौके पर मंगलवार 29 अक्टूबर को चांदन प्रखंड विभिन्न बाजार सहित भैरोगंज लालपुर बाजारों दिन रौशन बनी रही, लोग बर्तनों के साथ साथ सोने चांदी की खूब खरीदारी किया। हालांकि इस बार धनतेरस में सोने चांदी का रेट अधिक होने के कारण लोग भारी भरकम वस्तु कि खरीदारी करने में सक्षम नहीं हो पाया, ज्वेलरी दुकानों में चांदी सोने कि रेट से प्रभावित रहा। जबकि धनतेरस के मौके पर आभुषणों के साथ साथ ने बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। ज्वेलरी कि दुकानों पर भगवान लक्ष्मी गणेश की मुर्तियां कि मांग काफी बढ़ जाती है। इसके अलावा लोग सोने चांदी के सिक्कों की काफी ज्यादा खरीददारी करते हैं।

इसी के चलते बाजारों में दिन भर खुब चहल-पहल रही। वहीं धनतेरस के मौके पर मंगलवार को शुभ दिन मानकर नारियल झाड़ू और फूल झाड़ू कि खुब खरीददारी करते देखा गया। इस बार बाजारों में झाड़ू का किमत ₹25 से ₹60 में बिका।

मान्यता है कि धनतेरस के दिन झाड़ू खरीदने से घर में लक्ष्मी वास करती है।वहीं दिपावली में सजावटी सामान कि हो रही बाजार के फुटपाथ पर घरों को सजाने का सामान खुब बिक रहा है। लोग घर कि सजावट के लिए अलग-अलग तरह कि लाइटें जमकर खरीदारी कर रहे हैं। धनतेरस का शुभ मुहूर्त ज्योतिषों के अनुसार सुबह दस बजकर 32 से लेकर खरीदारी का शुभ मुहूर्त रहा। लेकिन इस बार धनतेरस का मुहूर्त अगले दिन यानी आज बुधवार को भी शुभ माना गया है।

वहीं धनतेरस के मौके पर आनन्दपुर थाना पुलिस भी अलर्ट मुड में गस्ती करते रहे। ताकि बाजार में खरीदारी करने आए लोग निर्भीक होकर खरीददारी कर सके।

सतर्कता जागरूकता शिविर का किया गया आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बौंसी/बांका:- बौंसी बाज़ार स्थित एलएनडी प्रोजेक्ट बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक के तत्वावधान में सतर्कता जागरूकता सप्ताह शिविर का आयोजन किया गया। मालूम हो कि दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक क्षेत्रों में 28 अक्टूबर से 3 नवम्बर 2024 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मना रहीं हैं। छात्राओं को संबोधित करते हुए शाखा प्रबंधक राखी कुमारी ने कहा कि, "सत्य निष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि" में विकास होता है। उन्होंने आगे कहा कि आज समाज का अधिसंख्य नागरिक बैंकिंग सेवा से जुड़ गए हैं। सभी छात्राओं का अपना बैंक खाता खुला हुआ है। छात्राओं को बैंक से संबंधित सभी जानकारी रखना अतिआवश्यक है। ऑनलाइन धोखाधड़ी ने अपना पांव सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक फैला लिए है। धोखाधड़ी का शिकार गांव के भोली - भाली जनता हो जाती है। हमें जागरूक रहने की आवश्यकता है। विद्यालय प्रभारी प्रधानाध्यापक पवन कुमार त्रिभुवन ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि समय-समय पर क्राइम एण्ड करप्शन को लेकर विद्यालय में जागरूकता से संबंधित कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। साथ ही साथ बैंक खाता, छात्राओं के लिए क्यों आवश्यक है और खाता खुलवाने से क्या - क्या फ़ायदे हैं, समय-समय पर छात्राओं को जानकारी दी जाती है। सहायक प्रबंधक शशिकांत सिंह और मनिष कुमार पाठक ने भी छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि निजी क्षेत्र हो या सरकारी क्षेत्र, दोनों मिलकर राष्ट्र निर्माण में अपनी अहम् भूमिका निभा रही हैं। बैंक सामाजिक, आर्थिक दृष्टिकोण से समाज का प्रत्यक्ष सेवा करती है। मौके पर विद्यालय के वरीय शिक्षिका अनुकृति आनंद, अंजनी कुमारी, विश्वजीत कुमार, पंकज कुमार, निलेश कुमार, परिचारी जनार्दन यादव, अंकित आनंद, छात्रा रिया, स्वाति प्रिया, आर्या आनंद, सारबीन खातुन, शिवानी,शालु,रोकैया खातून,फलक,आरफी,गुलफशा,हिना, आशियां, निलोफर,रिधिमा, सपना,आरती,काजल, प्रवीण,नादिया,शांति,सोनी,मोनिका सालेहा,सहाजरा सहित सैकड़ों छात्राएं मौजूद थे।

बहुद्देशीय कर्मी के पद पर चयनित अभ्यर्थी को दिया गया चयन पत्र

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका:- महिला एवं बाल विकास निगम, समाज कल्याण विभाग के तहत जिला प्रशासन बाँका के द्वारा मिशन शक्ति योजनान्तर्गत जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन कार्यालय बाँका के रिक्त विभिन्न एकल पद हेतु प्रकाशित विज्ञापन के आलोक में आवेदित पद जिला मिशन समन्वयक, वित्तीय साक्षरता में विशेषज्ञ, लेखा सहायक, डाटा इंट्री ऑपरेटर एवं बहुद्देशीय कर्मी के पद पर चयनित अभ्यर्थी को उप विकास आयुक्त बाँका अंजनि कुमार के द्वारा चयन पत्र दिया गया। जिला मिशन समन्वयक के पद पर राज अंकुश शर्मा,वित्तीय साक्षरता में विशेषज्ञ के पद पर शेखर कुमार दास, लेखा सहायक के पद पर उत्कर्ष आनंद, डाटा इंट्री ऑपरेटर के पद पर अभिनव एवं बहुद्देशीय कर्मी के पद पर विष्णु कुमार भगत का चयन हुआ। चयन पत्र वितरण के अवसर पर जिला प्रोग्राम पदाधिकारी आईसीडीएस रेणू कुमारी एवं जिला परियोजना प्रबंधक,महिला एवं बाल विकास निगम राजीव रंजन उपस्थित रहे।

सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका:- बिहार सरकार के समाज कल्याण विभाग, महिला एवं बाल विकास निगम और यूनिसेफ के सहयोग से प्रथम संस्था द्वारा संचालित किशोर-किशोरी सशक्तिकरण कार्यक्रम "उड़ान परियोजना" के अंतर्गत अमरपुर प्रखण्ड के शोभानपुर और बल्लीकित्ता पंचायत के महादलित टोला (बलुआ और रामचन्द्रपुर इटहरी) में जिला प्रशासन के सहयोग से सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उधेश्य किशोर-किशोरी समूह को सशक्त बनाना और उनके द्वारा पंचायत के लोगों को सामाजिक कुरीतियों जैसे बाल-विवाह, बाल श्रम, दहेज प्रथा, लैंगिक भेदभाव के प्रति जागरूक करना है। इस कार्यक्रम में महादलित विकास मिशन द्वारा गठित किशोर-किशोरी समूह के सदस्यों को सामाजिक कुरीतियों के प्रकार और उनके प्रभावों की जानकारी दी गई तथा उनके खिलाफ़ आवाज उठाने और सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में सम्मिलित ज्योति किशोरी समूह, राम किशोर समूह और अम्बेडकर किशोरी समूह के सदस्यों ने चित्रकारी, मेहंदी लगाकर और विभिन्न नारों के साथ शपथ लिया साथ ही सरकार द्वारा चलाई जा रही चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और महिला हेल्पलाइन 181 आपातकालीन टोल फ्री नंबर 112 के बारे में चर्चा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु किशोरी समूह की अध्यक्षा साक्षी कुमारी, फूलमनी कुमारी, आनंद कुमार संग सदस्य नीलू कुमारी, रेशम कुमारी, अंजनी कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, काजल कुमारी, स्वेता कुमारी, अंश कुमार,, पारस कुमार, आर्यन राज, प्रभाष कुमार, विकास मित्र मुन्नी कुमारी, समाज सेवी अरुण कुमार दास, चाइल्डहेल्प लाइन के प्रतिनिधि कौशल कुमार, पंच (जन प्रतिनिधि) सदस्य भागीरथ दास जीविका से सुनीता देवी, पिंकी देवी, रीता देवी, अनीता देवी, स्वीटी देवी, प्रथम संस्था के जिला समन्वयक पंकज कुमार एवं अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

वृक्षारोपण योजनाओं का किया गया निरीक्षण

दैनिक बिहार पत्रिका प्रतिनिधि

बांका:- उप विकास आयुक्त, बाँका के द्वारा बाँका प्रखण्ड के ग्राम पंचायत-समुखिया में मंगलवार को वित्तीय वर्ष 2022-23, 2023-24 एवं 2024-25 में चल रहे वृक्षारोपण योजनाओं का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में जो पौधा मृत है, उसके स्थान पर नये पौधे लगाने, योजना स्थल पर खर-पतवार को साफ-सफाई करने एवं वनपोषक को ससमय मजदूरी भुगतान करने का निदेश दिया गया तथा संबंधित कार्यक्रम पदाधिकारी, कनीय अभियंता एवं तकनीकी सहायक को पर्यवेक्षण एवं अनुश्रवण करने का निर्देश दिया गया।

संविदा के आधार पर पर्यवेक्षिकाओं का किया गया पदस्थापन

क्रमांक	नवचयनित महिला पर्यवेक्षिका का नाम	गृह प्रखंड/परियोजना	नव पदस्थापित कार्यालय का नाम एवं प्रखंड	अभ्युक्ति
1	काजल कुमारी	शम्भुगंज	बेलहर	
2	शुभांगी	धोरैया	रजौन	
3	गुड़िया कुमारी	बांका	चांदन	
4	मधु कुमारी	बौंसी	कटोरिया	
5	कुमारी श्वेता	रजौन	अमरपुर	
6	कुमारी शिखा	अमरपुर	धोरैया	
7	निकिता आनंद	रजौन	अमरपुर	
8	नेहा रानी	बांका	शम्भुगंज	
9	नन्दनी कुमारी	बांका	रजौन	
10	अरूला कुमारी	बाराहाट	बौंसी	
11	सुमन किरण	रजौन	अमरपुर	
12	रतन कुमारी	रजौन	धोरैया	
13	नर्मदा कुमारी	बेलहर	शम्भुगंज	
14	सुप्रिया राज	बांका	चांदन	
15	स्नेहा भारती	बाराहाट	बांका	
16	कुमारी भारती	बेलहर	फुल्लीडुमर	
17	रिया चौधरी	शम्भुगंज	बेलहर	
18	पूनम चौधरी	अमरपुर	धोरैया	
19	अनिता कुमारी	चांदन	कटोरिया	
20	पूजा कुमारी	बौंसी	कटोरिया	

दैनिक बिहार पत्रिका प्रतिनिधि

बांका:- जिला पदाधिकारी, बाका अंशुल कुमार के आदेश ज्ञापांक सीधी भर्ती के माध्यम से नवचयनित महिला 961 प्रो0/ दिनाक 24.10.2024 के आलोक में संविदा के आधार पर पर्यवेक्षिकाओं का पदस्थापन निम्नवत किया गया है। सभी नवचयनित महिला पर्यवेक्षिकाओं को निर्देश दिया कि अनुबंध के शर्तों के बिन्दुओं पर एक एकरारनामा विहित प्रपत्र जिसमें पक्ष चयनित अभ्यर्थी तथा दुसरा पक्ष जिला प्रोग्राम पदाधिकारी, आई.सी.डी.एस. बांका होगे एवं सिविल सर्जन द्वारा निर्गत स्वास्थ्यता प्रमाण पत्र जिला प्रोग्राम कार्यालय में जमा करने के उपरांत दिनांक-11.11.2024 तक अपने पदस्थापन कार्यालय में योगदान करेगी।

तसर अग्र परियोजना केन्द्र के कमाण्ड क्षेत्र में संचालित कार्यों का किया गया स्थल निरीक्षण

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका:- निदेशक हस्तकरघा एवं रेशम, बिहार, पटना के आदेश सं0 1183 दिनांक 21.10.24 के आलोक में प्रीति कुमारी, सहायक उद्योग निदेशक, हस्तकरघा एवं रेशम निदेशालय, बिहार, पटना एवं शम्भु कुमार पटेल, महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र, बांका द्वारा संयुक्त रूप से दिनांक 28.10.24 से 29.10.24 तक केन्द्र प्रायोजित योजना सिल्क समग्र-2 अन्तर्गत बांका जिला के तसर अग्र परियोजना केन्द्र, इनारावरण एवं श्यामबाजार के कमाण्ड क्षेत्र में संचालित कार्यो का स्थल निरीक्षण किया गया। स्थलों पर सभी संबंधित कृषकों से लगाये गये पौधों की संख्या, भुगतान की गयी राशि एवं अन्य कार्यो के बारे में जानकारी लिया गया। निरीक्षण के क्रम में जिन-जिन स्थलों पर स्टैगर्ड ट्रैंच एवं कैटल प्रुफ ट्रैंच अधूरा पाया गया, वहाँ के कृषकों को जल्द पूर्ण करने हेतु निदेश दिया गया। अंडी कीटपालन गृह तथा तसर/अंडी बीजागार गृह का निर्माण कार्य जल्द पूर्ण कर कार्य प्रारम्भ करने का निदेश दिया गया। मृत पौधों के स्थान पर पुनः पौधे लगाकर गैप फीलींग करने का निदेश दिया गया। एक ही जगह पर 20 हेक्टेयर या 20 हेक्टेयर से अधिक वाले स्थल का ड्रोन कैमरा से वीडियोग्राफी कराने हेतु निदेशित किया गया। सभी स्थलों पर उपस्थित कृषकों को तसर/अंडी पौधारोपण, कीटपालन तथा बीजागार से होने वाले फायदे के बारे में बताते हुए निदेशित किया गया कि तसर/अंडी के कीटपालन एवं बीजागार का कार्य तसर/अंडी के खाद्य पौधों पर निर्भर हैं। अतः पौधों की सुरक्षा अत्यावश्यक है। पौधों की सुरक्षा हेतु सभी स्थलों के कृषकों को विशेष रूप से निदेशित किया गया।

टी० पी० डी० एस० गोदाम का किया गया भौतिक सत्यापन

दैनिक बिहार पत्रिका प्रतिनिधि

बांका:- जिला प्रबंधक राज्य खाद्य निगम बांका के द्वारा मंगलवार को टी पी डी एस गोदाम फुल्लीडूमर का भौतिक सत्यापन किया गया। गोदाम में उपस्थित ए जी एम रूपेश कुमार को निर्देश दिया गया कि, छठ पूजा को ध्यान में रखते हुए प्रखण्ड अन्तर्गत सभी डीलर को डी एस डी के माध्यम से खाद्यान्न नियमानुसार पहुंचा दे। ताकि छठ पूजा से पहले सभी लाभुक को खाद्यान्न मिल जाए। गोदाम परिसर हमेशा साफ रखने को भी बोला गया।

पंचायत सरकार भवन के रंग रोगन कराने का दिया गया निर्देश

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका:- ग्राम पंचायत डाँड़ा स्थित पंचायत सरकार भवन का निरीक्षण जिला पंचायत राज पदाधिकारी, बांका द्वारा किया गया। जिसमें मुखिया ,पंचायत सचिव एवं प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी को निर्देश दिया गया की आप लोग यथाशीघ्र डाकघर खुलवाना सुनिश्चित करेंगे साथ ही पुस्तकालय का कार्य भी प्रारंभ करेंगे। निरीक्षण के क्रम में पंचायत सरकार भवन के रंग रोगन का भी निर्देश दिया गया।

पेयजल आपूर्ति से संबंधित बैठक की गयी आयोजित

दैनिक बिहार पत्रिका प्रतिनिधि, बांका:- प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी, बौंसी की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री ग्रामीण पेयजल निश्चय योजना के दीर्घकालीन अनुरक्षण एवं अनुरक्षक का भुगतान/पेयजल आपूर्ति से से संबंधित बैठक प्रखण्ड सभागार, बौंसी में सभी पंचायत सचिव, तकनीकी सहायक, लेखापाल -सह-आई0टी0 सहायक एवं सभी अनुरक्षक पी0आर0डी0 के साथ समीक्षात्मक बैठक की गई।

अतिक्रमण के विरुद्ध करवाई , 20 दुकानदार से वसूली गई जुर्माना राशि

दैनिक बिहार पत्रिका प्रतिनिधि

बांका:- यातायात डीएसपी के नेतृत्व में एस एच ओ ट्रैफिक एवं नगर परिषद की टीम द्वारा सड़क किनारे अतिक्रमण कर दुकान लगाने वालों के विरुद्ध करवाई करते हुए 20 दुकानदार से जुर्माना राशि 30000 रु वसूली की गई। डोकनिया मार्केट में सभी प्रकार के चार पहिया वाहन के परिचालन पर रोक लगाई गई है। भागलपुर की ओर जाने वाली बस को सर्किट हाउस रोड की और डायवर्ट किया गया है।

सिविल सर्जन, बांका को प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सहित सभी का वेतन स्थगित करने का दिया गया निर्देश

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका:- जिला पदाधिकारी, बांका अंशुल कुमार की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षात्मक बैठक, समाहरणालय सभागार, बांका में आयोजित की गई। उक्त बैठक में डा0 अनिता कुमारी, सिविल सर्जन, बांका, बबन कुमार, जिला योजना पदाधिकारी, बांका, अमय कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, बांका, डा0 विजय कुमार, गैर संचारी रोग पदाधिकारी, बांका, ब्रजेश कुमार सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, अमरेन्द्र कुमार आर्य, जिला लेखा प्रबंधक, मुकेश कुमार, जिला अनुश्रवण एवं मूल्यांकन पदाधिकारी, राजेश कुमार, जिला अनुश्रवण एवं मूल्यांकन पदाधिकारी डी एम एच पी, जिला स्वास्थ्य समिति, पवन कुमार, जिला कार्यक्रम समन्वयक, जिला क्रियान्वयन इकाई, बाँका, मो0 आरिफ इकबाल, वेक्टर रोग नियंत्रण पदाधिकारी, सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक, प्रखंड सामुदायिक उत्प्रेरक एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे। उक्त बैठक में जिला पदाधिकारी, बांका द्वारा निर्देश दिया गया की बैठक में जिला पदाधिकारी के आने तक रेफरल अस्पाल, कटोरिया से प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सहित कोई भी कर्मी उपस्थित नहीं पाये गये। उक्त के संदर्भ में असंतोष व्यक्त करते हुए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सहित सभी का वेतन स्थगित करने का निर्देश सिविल सर्जन, बांका को दिया गया। मातृत्व मृत्यु की समीक्षा के क्रम में माह सितम्बर, 2024 में चांदन, शंभूगंज, बाराहाट, बांका का मातृत्व मृत्यु में शून्य प्रतिवेदित किया गया। उक्त के संदर्भ में संबंधित प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी से पृच्छा के क्रम में बताया गया कि संस्थान अन्तर्गत मातृत्व मृत्यु नहीं हुई है। सिविल सर्जन, बांका को निदेश दिया गया कि डब्ल्यू0एच0ओ0 एवं यूनिसेफ के टीम से क्षेत्र अन्तर्गत मातृत्व मृत्यु का निरीक्षण कराना सुनिश्चित करें। बैठक में जानकारी दी गयी कि राज्यस्तरीय बैठक में जिले के मातृत्व मृत्यु एवं शिशु मृत्यु की समीक्षा सिविल सर्जन के स्तर पर नहीं होने के कारण एम पी सी डी एस आर पोर्टल पर शून्य प्रतिवेदित हो रहा है। उक्त के संदर्भ में सभी मातृत्व मृत्यु एवं शिशु मृत्यु का समीक्षा सिविल सर्जन की अध्यक्षता में दिनांक-05 एवं 06 नवम्बर, 2024 तक करने का निदेश दिया गया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, रेफरल अस्पताल, बौसी एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, चांदन एवं शंभूगंज को लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत गर्भवती महिलाओं का ए0एन0सी0 पंजीकृत कराने का निदेश दिया गया। समीक्षा के क्रम में चतुर्थ ए0एन0सी0 की उपलब्धि चांदन का कम पाया गया। संबंधित प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि साप्ताहिक बैठक में स्वास्थ्य उपकेन्द्र वार समीक्षा कर उपलब्धि बढ़ाना सुनिश्चित करें। गर्भवती महिलाओं को दिये जाने वाले 180 आयरन फोलिक एसीड टैबलेट का वितरण सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बेलहर द्वारा कम किया गया है। उक्त के संदर्भ में संबंधित प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को सख्त निदेश दिया गया कि गर्भवती महिलाओं को शत-प्रतिशत आयरन की गोली वितरण करवाना सुनिश्चित करें। समीक्षा के क्रम में संस्थागत प्रसव में गत माह की अपेक्षा संस्थान अन्तर्गत बांका, धोरैया एवं बाराहाट के प्रसव में वृद्धि पायी गयी। उक्त के संदर्भ में जिला पदाधिकारी, बांका के द्वारा प्रसन्नता व्यक्त की गयी। साथ ही आगामी बैठक में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बौंसी, चांदन, शंभूगंज एवं फुल्लीडूमर को उपलब्धि बढ़ाने का निदेश दिया गया। साथ ही, सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष तक लक्ष्य के अनुरूप 75 प्रतिशत से अधिक उपलब्धि हेतु माहवार लक्ष्य निर्धारित करते हुए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रत्येक माह उपलब्धि करना सुनिश्चित करें। सम्पूर्णता अभियान से संबंधित सूचकांकों एवं गतिविधियों की समीक्षा के क्रम में ए0बी0पी0 फेलो, जिला योजना कार्यालय को निदेश दिया गया कि अंकाक्षी प्रखंड के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक एवं प्रखंड सामुदायिक उत्प्रेरक के साथ समन्वय स्थापित करते हुए उपलब्धि बढ़ाने सुनिश्चित करें। साथ ही जिला योजना पदाधिकारी, बांका को निदेश दिया गया कि संबंधित ए0बी0पी0 फेलो का रोस्टर निर्धारित करना सुनिश्चित करें। प्रखंड अन्तर्गत आशावार संस्थागत प्रसव एवं टीकाकरण की उपलब्धि की समीक्षा के क्रम में निदेश दिया गया कि ऐसे आशा जो पिछले छः माह में शून्य उपलब्धि वाले आशा को चयन मुक्त करना सुनिश्चित करें तथा पिछले छः माह में 03 या 04 उपलब्धि वाले के आशा के विरूद्ध कार्रवाई प्रखंड स्तर पर करना सुनिश्चित करें एवं 02 या 03 उपलब्धि वाले आशा के विरूद्ध सिविल सर्जन के स्तर से कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। साथ ही, जिला सामुदायिक उत्प्रेरक, बांका को निदेश दिया गया कि कम उपलब्धि वाले आशा के साथ बैठक करना सुनिश्चित करें तथा बेलहर, बौसी एवं शंभूगंज में जाकर फॉलो-अप कराना सुनिश्चित करें। समीक्षा के क्रम में नीति आयोग के निर्धारित इंडिकेटर प्रखंडवार प्रथम तिमाही ए0एन0सी0, 4 ए0एन0सी0 चेकअप, संस्थागत प्रसव, 7 ग्राम से कम हेमोग्लोबिन वाली गर्भवती महिलाओं का ईलाज, लिंगानुपात, टीकाकरण, उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं आदि के विस्तृत समीक्षा की गई। निदेश दिया गया कि नीति आयोग के सभी इंडिकेटर लक्ष्य के अनुरूप उपलब्धि बढ़ाना सुनिश्चित करें। टी0बी0 मुक्त पंचायत कार्यक्रम की समीक्षा के क्रम में टी0बी0 मुक्त पंचायत के बारे में पृच्छा की गयी इनके द्वारा बताया गया कि 43 पंचायत का टी0बी0 मुक्त बनाने की सारी प्रक्रिया पूर्ण कर लिया गया तथा शेष 9 पंचायत में अंतिम सप्ताह में सारी प्रक्रिया पूर्ण की ली जायेगी। राज्य स्तर से निरीक्षण उपरांत ही उक्त पंचायत को टी0बी0 मुक्त पंचायत घोषित कर दिया जायेगा।

जिलाधिकारी ने समाहरणालय कर्मियों को दिलाई भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए शपथ

दैनिक बिहार पत्रिका प्रतिनिधि

वैशाली| केंद्रीय सतर्कता आयोग के द्वारा दिए गए निर्देश के आलोक में राज्य सरकार द्वारा भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति को दृढ़ता पूर्वक लागू करने के उद्देश्य से पूरे राज्य में दिनांक 28 10 2024 से 3 11 2024 तक सतर्कता अभिचेतना सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी यशपाल मीणा ने आज समाहरणालय परिसर में सभी शाखाओं के प्रभारी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को भ्रष्टाचार उन्मूलन करने के उद्देश्य से सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। इस अवसर पर अपर समाहर्ता विनोद कुमार सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी राम बाबू बैठा सहित सभी शाखाओं के प्रभारी पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। जिला प्रशासन, वैशाली स्वच्छ, सक्रिय और निष्ठावान प्रशासन तंत्र हेतु कटिबंध है तथा सरकारी कार्यालय में भ्रष्टाचार के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराने हेतु टोल फ्री नंबर 18003456616 जारी किया गया है। जिला प्रशासन आम जनों से अनुरोध करता है कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपनी शिकायत को टोल फ्री नंबर 18003456616 पर दर्ज करावें। शिकायतकर्ता का नाम, पता एवं मोबाइल नंबर गोपनीय रखा जाएगा।

सात मामलों में अपील पर जिला पदाधिकारी के समक्ष सुनवाई सम्पन्न

दैनिक बिहार पत्रिका प्रतिनिधि

वैशाली| बिहार लोक शिकायत अधिकार अधिनियम अंतर्गत आज सात मामलों में द्वितीय अपील की सुनवाई जिला पदाधिकारी के समक्ष की गई। जिला पदाधिकारी श्री यशपाल मीणा ने सभी मामलों में परिवादियों को सुना और उनके संतुष्ट होने पर परिवाद को समाप्त कर दिया। कुछ मामलों में उन्होंने मामले के जांच के भी आदेश दिए। अंचल अधिकारी गोरौल से संबंधित ग्रामीण सड़क को अतिक्रमण करने के मामले की सुनवाई के क्रम में जिला पदाधिकारी दोनों पक्षों को सुना। इसके पश्चात उन्होंने अपर समाहर्ता वैशाली को स्थल जांच कर प्रतिवेदन देने का आदेश दिया। भूमि सुधार उपसमाहर्ता हाजीपुर के कार्यालय से संबंधित मामले में जिला पदाधिकारी ने परिवादी के लगन निर्धारण से संतुष्ट होने के उपरांत परिवाद को समाप्त कर दिया। कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद हाजीपुर से संबंधित एक मामले में बताया गया कि अतिक्रमणकारियों दंड लगाकर क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कर लिया गया है। इस संबंध में कार्यपालक पदाधिकारी एवं थाना अध्यक्ष नगर थाना को आवश्यक रूप से निरीक्षण कर भविष्य में होने वाले अतिक्रमण को रोकने का आदेश दिया गया। सिविल सर्जन कार्यालय वैशाली से संबंधित दो मामलों में मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी के द्वारा प्रस्तुत किए गए अभिलेखों के आधार पर मामले का निष्पादन कर दिया प्रखंड विकास पदाधिकारी हाजीपुर से संबंधित एक मामले में जिला पदाधिकारी ने कोरोना कल में मास्क आपूर्ति का भुगतान प्राप्त नहीं होने के मामले में जांच कमेटी के सदस्यों को पूरे मामले की जांच कर साक्ष्य के साथ अगले तिथि में न्यायालय में उपस्थित रहने का आदेश दिया। अंचल अधिकारी राघोपुर के कार्यालय से संबंधित मामले में जिला पदाधिकारी ने परिवादी को समझाते हुए परिवाद को समाप्त कर दिया।

वाजिदपुर में नवनिर्मित पंचायत भवन का उद्घाटन

संवाददाता / समस्तीपुर

विद्यापतिनगर। प्रखंड अंतर्गत वाजिदपुर पंचायत में नवनिर्मित पंचायत भवन का विधिवत उद्घाटन मंगलवार को प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी अमित कुमार ने फीता काट कर किया। इससे पूर्व पंडित राजीव द्विवेदी ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान से पूजन करवाया तथा पंचायत की सुख-समृद्धि के लिए मुखिया मुकेश कुमार व बीपीआरओ अमित कुमार को तिलक लगाकर फीता कटवाया। इस अवसर पर मुखिया मुकेश कुमार ने कहा कि पूर्व में यह सामूहिक भवन हुआ करता था, जो करीब बीस वर्षों से जीर्ण-शीर्ण अवस्था में था। लम्बे संघर्ष के बाद 15वीं वित्त से करीब 11 लाख रुपए की राशि से इस भवन का निर्माण कराया गया है। नए पंचायत भवन के बन जाने से अब आम लोगों के लिए सभी सुविधाएं यहां उपल रहेगी।

मौके पर पंचायत सचिव मुकेश कुमार, कार्यपालक सहायक मुकेश कुमार, उपमुखिया भागीरथ प्रसाद, सुनील पासवान, मुण्डन कुमार, केशव महतो, विनोद सिंह, जीतेन्द्र कुमार, अजय कुमार, कल्पना देवी, ममता देवी, सिमरन कुमारी, राजस्व कर्मचारी राकेश सिन्हा, अमीन करीना भारती के अलावा बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद थे।

राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन द्वारा धनवंतरी जंयती मनाई गई

दैनिक बिहार पत्रिका प्रतिनिधि

गया। डॉ. मनीष पंकज मिश्रा, राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष, ने भगवान धनवंतरी के जन्मदिन पर एक विशेष कार्यक्रम कर धनबंतरी जी के चित्र पर माला पुष्प अर्पित कर नमन किया है भगवान धनवंतरी, जिन्हें आयुर्वेद का जनक माना जाता है, का जन्मदिन मनाने का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति जागरूक करना है।इस अवसर पर डॉ. मिश्रा ने भगवान धनवंतरी की चिकित्सा विद्या और उनके योगदान की सराहना की है। उन्होंने कहा, "भगवान धनवंतरी ने मानवता को स्वस्थ रहने का मार्ग दिखाया। उनके द्वारा दिए गए ज्ञान और औषधियों ने लाखों लोगों को जीवन में स्वस्थ और खुशहाल बनाए रखा है।"कार्यक्रम में डॉ. मिश्रा ने आयुर्वेद की महत्ता और इसके लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे आयुर्वेद, न केवल शारीरिक स्वास्थ्य, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को भी संतुलित करता है। उन्होंने सभी से अपील की कि वे पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को अपनाएं और अपने जीवन में प्राकृतिक औषधियों का समावेश करें।डॉ. मिश्रा ने अंत में सभी से यह संकल्प लेने की अपील की कि वे अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें और भगवान धनवंतरी के सिद्धांतों का पालन करें। इस प्रकार, कार्यक्रम ने न केवल भगवान धनवंतरी को श्रद्धांजलि दी, बल्कि समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने का भी महत्वपूर्ण कार्य किया है।

धनतेरस पर बाजारों में रही रौनक, लोगों ने की जमकर खरीदारी

धनतेरस के मौके पर सबसे ज्यादा सर्राफा बाजार और गाड़ियों की बिक्री हुई

दैनिक बिहार पत्रिका प्रतिनिधि

छपरा। धनतेरस के मौके पर छपरा शहर में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। सबसे ज्यादा खरीदारी पीतल एवं कांसा से बनी बर्तनों की हो रही थी, मान्यता है कि धनतेरस के मौके पर पीतल एवं कांसा से बनी बर्तन शुद्ध होती है, जिसमें मां लक्ष्मी विराजती हैं। बर्तन के अलावा इस मौके पर झाड़ू खरीदने की भी परंपरा रही है,इस मौके पर लोगों ने महंगा होने के बाबजूद नारियल की झाड़ू खरीदकर दरिद्रता भगाने की कामना मां से लक्ष्मी से की। धनतेरस के मौके पर खरीदारी करने बाजार आये शिक्षक संतोष कुमार एवं ब्रजेश पांडेय ने बताया कि प्राचीन परंपरा आज भी जीवित है जिसे हमने अपने पूर्वजों से पाया है। इस मौके पर महिलाएं भी ज्वेलरी से लेकर मिट्टी का दीया, झाड़ू और बर्तन की खरीदारी कर काफी खुश दिखी। धनतेरस के मौके पर छपरा के बाजार देर रात तक खुले रहे। इस मौके पर सबसे ज्यादा सर्राफा बाजार और गाड़ियों की बिक्री हुई।दोपहर से ही बुक कराए गए सभी गाड़ियों को लेने के लिए शोरूम में लोगों की भीड़ देखी गई।इसके अलावा ज्वेलरी दुकानों में लोगों ने जमकर खरीदारी की सोने चांदी के बने आभूषण से लेकर लक्ष्मी गणेश की मूर्तियां और नए पुराने सिक्के की मांग इस बार अच्छी खासी रही। जिस तरह से संभावना जताई जा रही थी कि इस बार धनतेरस के मौके पर बाजार की रौनक रहेगी उसी अनुरूप लोगों ने खरीदारी के प्रति दिलचस्पी दिखाई।

आस्था व विश्वास का प्रतीक है लक्ष्मीपुर की मां काली मंदिर

कटिहार। प्रतिनिधि

कटिहार जिले के बरारी प्रखंड के लक्ष्मीपुर गांव में स्थित काली मंदिर आस्था का प्रतीक बना हुआ है। यह मंदिर इस क्षेत्र के लोगों के लिए आस्था और विश्वास का प्रतीक है। मां काली की मान्यता है कि जो भी भक्त मां के दरबार में मन्नत लेकर आते हैं सभी की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। माता रानी के दरबार से कोई भक्त बिना आशीर्वाद लिए नहीं जाता है। मां काली के आशीर्वाद से मनोकामनाएं पूरी होने पर भक्त खुशी से बलि देने आते हैं। मां काली का मंदिर बलि के लिए प्रचलित है। प्रत्येक साल मां काली के दरबार में सैकड़ों बलि पड़ती है। बलि देने के लिए नंबर लगाना पड़ता है। साथ ही मां काली को खुश करने के लिए सरकारी बलि दी जाती है। इसके बाद ही सार्वजनिक बलि दी जाती है। मां काली की भव्य प्रतिमा का निर्माण किया जाता है। काली पूजा को लेकर यहां एक माह से तैयारी की जाती है। इस मंदिर का निर्माण 1939 ईस्वी में औराही पूर्णिया निवासी स्वर्गीय गोरेलाल चौधरी और स्थानीय लोगों के सहयोग से किया गया था। प्रखंड मुख्यालय से लगभग 4 किलोमीटर दूरी लक्ष्मीपुर गांव में स्थित माता काली मंदिर में माता के भक्तों की आस्था का केंद्र है। मंदिर पर आसपास क्षेत्र के साथ ही बरारी प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु आकर प्रसाद चढ़ाने के बाद माता के चरणों में शीश झुकाकर घर-परिवार की खुशहाली के लिए मन्नत मांगते हैं। मान्यता है कि माता अपने भक्तों की पुकार सुनकर उनकी मन्नतें अवश्य पूरी करती है। मंदिर परिसर में माता काली प्रतिमा के साथ ही गणेश भगवान की प्रतिमाएं भी स्थापित हैं। वही मंदिर कमेटी के सदस्य ने बताया यहां की पुरानी परम्परा है कि दीपावली पूजा के दिन दीप जलाने के बाद ग्रामीण एकजुट होकर मां काली की प्रतिमा का प्राण-प्रतिष्ठा कर स्थापित करते हैं।

7 यूट्यूबर्स के खिलाफ अदालत पहुंचे बाल संत अभिनव अरोड़ा

मथुरा । 10 वर्षीय बाल संत अभिनव अरोड़ा और उनकी मां ने मथुरा कोर्ट में 7 यूट्यूबर्स के खिलाफ आपराधिक याचिका दायर की है। याचिका में दावा किया गया हैं कि ये यूट्यूबर्स अभिनव की धार्मिक आस्थाओं का मजाक उड़ाने और उन्हें बदनाम करने की कोशिश में हैं। याचिका के अनुसार, ट्रोलिंग और अपमान के कारण न केवल अभिनव को बल्कि उनके परिवार को भी मानसिक पीड़ा हुई है। अभिनव की मां का आरोप है कि यूट्यूबर्स ने उनकी निजता का उल्लंघन कर बेटे की धार्मिक भक्ति को फर्जी बताकर उसकी छवि को नुकसान पहुंचाया है। मामले में कहा गया है कि इन यूट्यूबर्स की सामग्री न केवल हिंदू धर्म का विरोध करती है, बल्कि धार्मिक सद्भावना को भी ठेस पहुंचाती है, जिससे भावनात्मक और मानसिक कष्ट बढ़ा है। अभिनव, जो धार्मिक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर लोकप्रिय हुए हैं, ने कहा कि वह कचहरी तक यह विवाद नहीं लाना चाहते थे, लेकिन ट्रोलिंग और धमकियों ने उन्हें मजबूर कर दिया। अभिनव के परिवार ने शिकायत में धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने, आपराधिक मानहानि, धमकी और षड्यंत्र जैसे आरोपों के लिए एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

बैंक खाता किराए पर दिया, तो होगी गिरफ्तारी

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्रालय ने साइबर क्राइम और अवैध भुगतान को रोकने के लिए नया अलर्ट जारी किया है। इस अलर्ट में कहा गया है, जो भी व्यक्ति अपना बैंक खाता किराए पर देगा। उसकी गिरफ्तारी निश्चित रूप से की जाएगी। गुजरात और अन्य प्रदेशों में छापेमारी के दौरान कई ऐसे मामले सामने आए हैं। जिसमें अपराधियों ने बैंक खाता किराए पर लेकर साइबर के माध्यम से ऑनलाइन ठगी की है। वही आयकर कानून का भी उल्लंघन करते हुए बड़े पैमाने पर किराए के बैंक खातों में करोड़ों रुपए का लेनदेन किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जो सूचना जारी की है। उसके अनुसार बैंक खाता, या कंपनी का पंजीकरण प्रमाण पत्र किसी को भी किराए पर ना दें, नाही उसे बेचें, यदि ऐसा हुआ, तो जिसके नाम पर खाता या फर्म होगी। उसे गिरफ्तार किया जाएगा। उस पर भी आपराधिक मामला चलाया जाएगा।

घाटी में आतंकियों की अब खैर नहीं, सेना ने उतारे बख्तरबंद टैंक, दागे रॉकेट लॉन्चर

जम्मू। जम्मू के अखनूर में भारतीय सेना का एनकाउंटर जारी है। इस ऑपरेशन में कोई चूक न हो इसके लिए बीएमपी-2 बख्तरबंद गाड़ियों को भी एनकाउंटर में उतारा गया है। घाटी के पहाड़ी जंगल और दलदलिए इलाकों में छिपे आतंकियों के लिए ये गाड़ियां काल साबित होगी। इनमें बैठकर सैनिक उन आतंकियों की तलाश कर रहे हैं जिन्होंने घाटी को दहलाने की कोशिश की है। अब सेना ने आतंक को टैंक से कुचलने की तैयारी की है। जम्मू कश्मीर के अखनूर सेक्टर के एक गांव के पास वन क्षेत्र में छिपे दो आतंकवादियों को सुरक्षा बलों ने मंगलवार सुबह मार गिराया, जिससे एलओसी के पास 27 घंटे तक चली मुठभेड़ में मारे गए आतंकवादियों की संख्या तीन हो गई है। बीएमपी-2 एक बख्तरबंद वाहन है। इस पर गोलियों और आईईडी का असर नहीं होता है। मेन वेपन के तौर पर इस वाहन पर 30 एमएम की ऑटो कैनन अटैच होती है। ये एक मिनट में 800 राउंड फायरिंग करती है। ऑटो कैनन के साथ ही बीएमपी-2 पर एक हैवी मशीनगन भी लगी होती है। भारतीय सेना की बीएमपी-2 की सबसे बड़ी पावर इसकी एंटी टैंक गन है, जो नाग मिसाइल से लैस है। युद्ध के मैदान में बीएमपी 2 किसी मेन बैटल टैंक को भी तबाह करने में सक्षम है। बता दें बीते दिनों आतंकियों ने फायरिंग की थी। इसके बाद यह ऑपरेशन चलाया गया। बताया जा रहा है कि सेना ने रॉकेट लॉन्चर भी दागा। जिसके बाद आतंकियों की तरफ से कोई जवाब नहीं मिला है। सेना की जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कोर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस सफल अभियान में युद्ध जैसे सामान की बरामदगी भी हुई, जो क्षेत्र में सुरक्षा बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। छिपे आतंकवादियों का पता लगाने हेलीकॉप्टर और ड्रोन भी तैनात किए गए हैं।

जम्मू-कश्मीर: उधमपुर में मिनी बस खाई में गिरी, नर्सिंग छात्र समेत 30 घायल

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में एक निजी मिनी बस सड़क से फिसलकर खाई में गिर गई, जिससे कम से कम 30 यात्री घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक, घायलों में ज्यादातर नर्सिंग कॉलेज के छात्र थे। घटना दोपहर करीब 12.30 बजे हुई जब मिनी बस सालमारी से उधमपुर की ओर जा रही थी। गांव फरमा के पास बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। अधिकारियों ने तुरंत बचाव अभियान चलाया और 30 यात्रियों को इलाज के लिए उधमपुर के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया। अधिकारियों ने बताया कि घायलों में से तीन को गंभीर घोषित किया गया है और उन्हें विशेष उपचार के लिए जम्मू भेजे जाने की प्रक्रिया चल रही है। उधमपुर की उपायुक्त सलोनी राय ने स्थिति का जायजा लेने के लिए अस्पताल का दौरा किया। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि लगभग 30 से 35 लोग मिनीबस में यात्रा कर रहे थे, प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ब्रेक फेल होने के बाद यह खाई में गिर गई। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के कारण का पता लगाने के लिए जांच शुरू की जाएगी।

फगवाड़ा के निकट गुरुद्वारा टिकसा साहिब में लगी आग, भारी नुकसान का अनुमान

फगवाड़ा। फगवाड़ा के निकट सपरोड़ गांव में स्थित गुरुद्वारा टिकसा साहिब की इमारत में भीषण आग लग गई, जिससे इमारत और उसके आसपास के इलाकों को भारी नुकसान पहुंचा। सुबह-सुबह लगी आग तेजी से फैल गई, जिससे परिसर के कई हिस्से जलकर खाक हो गए और काफी नुकसान हुआ। स्थानीय निवासियों ने बताया कि उन्होंने गुरुद्वारा परिसर में आग की लपटें तेजी से फैलती देखीं। आग में फर्नीचर और अन्य कीमती सामान जलकर खाक हो गए।

गृहमंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय एकता दिवस के तहत एकता दौड़ को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में आयोजित एकता दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एकता दौड़ का आयोजन सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती यानी 31 अक्टूबर को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय एकता दिवस के तहत किया गया।

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2015 में सरदार पटेल जी की याद में देश की एकता व अखंडता के लिए पूरे देश को संकल्पित करने हेतु 'एकता दौड़' का आयोजन शुरू किया। उन्होंने कहा कि तब से आज तक पूरा देश एकता दौड़ से न सिर्फ पूरे देश की एकता और अखंडता के लिए संकल्प लेता है बल्कि अपने आप को भारत माता की सेवा में फिर से समर्पित भी करता है। श्री शाह ने कहा कि आज 'एकता दौड़' देश की एकता के संकल्प के साथ-साथ विकसित भारत का संकल्प भी बन चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने 2047 तक एक पूर्ण विकसित भारत के निर्माण का संकल्प सभी देशवासियों के सामने रखा है, जो हर क्षेत्र में पूरी दुनिया में सर्वप्रथम हो।

अमित शाह ने कहा कि आज भारत एक फलता-फूलता, विकसित होता, मजबूत राष्ट्र बनकर दुनिया के सामने खड़ा है। उन्होंने कहा कि इतिहास की ओर मुड़कर देखें तो आज़ादी के बाद 550 से ज़्यादा रियासतों को एकजुट कर वर्तमान भारत का निर्माण सरदार साहब की दृढ़ इच्छाशक्ति और त्वरित निर्णय से संभव हुआ। उन्होंने कहा कि वे सरदार पटेल ही थे जिनकी दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण आज भारत एकजुट होकर दुनिया के सामने मज़बूती के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि आज जब भारत दुनिया के सामने मज़बूती के साथ सर्वप्रथम बनने के रास्ते पर खड़ा है, इसकी नींव डालने का काम सरदार पटेल ने किया था।

गृहमंत्री ने कहा कि ये दुर्भाग्य की बात है कि सालों तक सरदार वल्लभभाई पटेल को भुलाने का काम किया गया और उन्हें भारत रत्न के उचित सम्मान से भी वंचित रखा गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने गुजरात से भी वंचित रखा गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने गुजरात के केवड़िया में दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा बनाकर सरदार पटेल की याद को चिरंजीव करने का काम किया है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हर क्षेत्र में सरदार वल्लभभाई पटेल के दृष्टिकोण, विचार और संदेश को मूर्त रूप देने का काम किया है।

इस अवसर पर केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री मनोहर लाल खट्टर, डॉ. मनसुख मंडाविया, केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय और दिल्ली के उप-राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना समेत कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

सीट बंटवारे को लेकर राउत की कांग्रेस को चेतावनी, पटोले की नसीहत

मुंबई । महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन का आखिरी दिन महाविकास अघाड़ी (एमवीए) में सीट बंटवारे को लेकर तानातनी चल रही है। कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना के बीच तनाव इस कदर बढ़ गया है कि सोलापुर साउथ सीट को लेकर दोनों दलों में टकराव पैदा हो गया है। कांग्रेस ने दिलीप माने को उम्मीदवार बनाया है, जबकि उद्धव सेना पहले ही अमर पाटिल को उम्मीदवार बना चुकी है। इस पर प्रतिक्रिया देकर शिवसेना नेता संजय राउत ने चेतावनी देकर कहा, सोलापुर में कांग्रेस का उम्मीदवार शायद टाइपिंग की गलती हो, लेकिन ऐसी गलती हम भी कर सकते हैं। राउत ने कांग्रेस को सख्त चेतावनी देकर कहा कि अगर कांग्रेस ने सोलापुर साउथ से अपना प्रत्याशी वापस नहीं लिया, तब वे भी अन्य सीटों पर कांग्रेस के खिलाफ उम्मीदवार उतार सकते हैं। राउत का कहना है कि महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस लगातार खुद को वरिष्ठ सहयोगी मान रही है, जबकि उद्धव सेना खुद को कमजोर नहीं मानती। वहीं, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने राउत की चेतावनी को तवज्जो नहीं देकर कहा कि यह निर्णय पार्टी हाईकमान का है। उन्होंने राउत को नसीहत दी कि उन्हें गठबंधन सहयोगियों पर निशाना साधने के बजाय सत्ताधारी दलों पर फोकस करना चाहिए।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज-जूनियर डॉक्टर के दो संगठन एक-दूसरे पर लगा रहे आरोप-प्रत्यारोप

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की जूनियर डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के मामले को लेकर जूनियर डॉक्टरों का चल रहा विरोध प्रदर्शन अब गंभीर होता जा रहा है। दो प्रतिद्वंद्वी संगठन एक-दूसरे का विरोध करने लगे हैं। बलात्कार और हत्या के विरोध का नेतृत्व करने वाले पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट (डब्ल्यूबीजेडीएफ) ने नए पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन (डब्ल्यूबीजेडीए) पर उन जूनियर डॉक्टरों का एक समूह होने का आरोप लगाया है, जिन पर मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों के परिसर में धमकी संस्कृति का आरोप लगाया गया था।

उन पर आरोप है कि वे आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष जैसे चिकित्सा जगत के प्रभावशाली लोगों का समर्थन मिलाता रहा हैं। दूसरी ओर, कथित तौर पर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का समर्थन प्राप्त डब्ल्यूबीजेडीए के प्रतिनिधियों ने डब्ल्यूबीजेडीएफ सदस्यों पर बलात्कार और हत्या के मुद्दों का अपने स्वार्थ के लिए दोहन करने का आरोप लगाया है, जिसमें विरोध प्रदर्शन के नाम पर जनता से धन जुटाना भी शामिल है।

हालांकि, डब्ल्यूबीजेडीएफ ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है। दावा किया है कि नए संघ का गठन सत्तारूढ़ पार्टी के सक्रिय समर्थन से हुआ है, ताकि आंदोलन को बदनाम कर सके। डब्ल्यूबीजेडीएफ के प्रतिनिधि ने कहा, हमने व्यापक जनहित को ध्यान में रखते हुए और मृतक जूनियर डॉक्टर के माता-पिता के अनुरोध पर अपना आमरण अनशन वापस ले लिया है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम इस मुद्दे पर अपनी मांगों के समर्थन में आंदोलन वापस ले रहे है। बल्कि हम अपने विरोध का दायरा महानगरों, शहरी, उपनगरीय और जिला मुख्यालयों से आगे बढ़ाकर गांवों तक लेकर जाएंगे।

2025 में शुरु होगी जनगणना, फिर शुरु होगा लोकसभा सीटों का परिसीमन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की मोदी सरकार ने चार साल की देरी के बाद 2025 में जनगणना शुरू करने जा रही है। सरकार के सूत्रों ने सोमवार को इसकी जानकारी दी है। जनगणना की यह प्रक्रिया 2025 में शुरू होकर 2026 तक जारी रहने की उम्मीद है। सूत्रों ने बताया कि जनगणना के बाद लोकसभा सीटों का परिसीमन शुरू होगा और यह काम 2028 तक पूरा कर लिया जाएगा। यह घटनाक्रम कई विपक्षी दलों द्वारा जाति जनगणना की मांग के बीच हुआ है।

भारत में पिछली बार जनगणना 2011 में हुई थी। अगला चरण 2021 में शुरू होना था, लेकिन कोरोना माहमारी के कारण इसमें देरी हो गई। तब से, इस बारे में कई सवाल पूछे जा रहे हैं कि अगली जनगणना के आंकड़े कब प्रकाशित किए जाएंगे। मोदी सरकार जनगणना रिकॉर्ड करने की तैयारी में जुटी हुई है। कुछ राजनीतिक दलों द्वारा जाति जनगणना की मांग के बावजूद, सूत्र बता रहे हैं कि फिलहाल मोदी सरकार की जाति जनगणना की अनुमति देने की कोई योजना नहीं है।

दरअसल, मौजूदा फॉर्म में, जहां सर्वेक्षण करने वाला हर व्यक्ति अपना नाम, विवरण, पारिवारिक विवरण आदि प्रकाशित करता है, वहीं उसके पास धर्म का विवरण दर्ज करने का विकल्प होता है। एक और कॉलम है जो उन्हें अनुसूचित जनजाति या अनुसूचित जाति (एससी/एसटी) के रूप में पहचानता है। फॉर्म में एकमात्र अतिरिक्त बात यह होगी कि सर्वेक्षण करने वाले लोगों को अपने धर्म के तहत अपने संप्रदाय का उल्लेख करने की अनुमति होगी।

कांग्रेस, आरजेडी और कई अन्य पार्टियां जाति जनगणना की मांग कर रही हैं। बिहार में जेडीयू जैसे बीजेपी के गठबंधन सहयोगियों ने भी इस बारे में बात की है, लेकिन मोदी सरकार पर कोई दबाव नहीं डाला है। केंद्रीय स्तर पर, अंतिम निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी कैबिनेट पर छोड़ दिया गया है। बीजेपी की दूसरी सहयोगी तेलुगु देशम पार्टी भी मानती है कि जनगणना होनी चाहिए, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू आम जनता, खासकर युवा आबादी के लाभ के लिए 'कौशल जनगणना' की सक्रिय रूप से वकालत कर रहे हैं। आरएसएस भी जाति जनगणना के पक्ष में है, बशर्ते कि यह किसी पार्टी द्वारा राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए न किया जा रहा हो।

नीतीश कुमार के सामने बोल नहीं पाते थे... तेजस्वी के रोजगार वाले दावे पर भड़के ललन सिंह

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने मंगलवार को राजद नेता तेजस्वी यादव के इस दावे को खारिज कर दिया कि बिहार के उपमुख्यमंत्री के तौर पर उनके कार्यकाल में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन हुआ। जेडी(यू) के वरिष्ठ नेता ने यादव को चुनौती दी कि वे अपने माता-पिता लालू प्रसाद और राबड़ी देवी के 15 साल के कार्यकाल के दौरान रोजगार सृजन के आंकड़े लेकर आएं। ललन सिंह ने संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के संयुक्त प्रयासों की वजह से बिहार में तेजी से आर्थिक विकास हो रहा है। इससे रोजगार सृजन को भी बढ़ावा मिला है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कुछ लोग बोलने का काम करते हैं कुछ लोग करने का तो पीएम मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रोजगार सृजन की दिशा में काम कर रहे हैं। बिहार में आपने देखा कि 2 लाख से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति हुई। उन्होंने कहा कि कुछ लोग बोलते रहते हैं वो याद नहीं करते कि उनके माता-पिता 15 साल बिहार में रहे उन्हें बताना चाहिए कि उनके माता-पिता के शासनकाल में कितने युवा को रोजगार मिला? तेजस्वी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वो बोलने के लायक नहीं हैं। जिस मुख्यमंत्री के नेतृत्व में वो थे तो उनके सामने तो उनकी बोलने की हिम्मत नहीं होती थी।

ललन सिंह ने कहा कि बिहार में डबल इंजन सरकार की उपलब्धियां इसी अवधि के लिए पिछली सरकार की तुलना में दोगुनी से भी अधिक हैं। हम ठोस कार्रवाई में विश्वास करते हैं, खोखली बातों में नहीं। बिहार के पूर्व मंत्री, जो मुख्यमंत्री के करीबी सहयोगी हैं, उस समय भड़क उठे जब उनका ध्यान यादव के बार-बार के इस दावे की ओर दिलाया गया कि उनकी पहल के कारण ही लाखों लोगों को सरकारी विभागों में भर्ती मिली।

देश में 'एकाधिकार बचाओ सिंडिकेट' सक्रिय: राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से जुड़े मामले का हवाला देते हुए मंगलवार को दावा किया कि देश में 'एकाधिकार बचाओ सिंडिकेट' सक्रिय है जिसके मूल में अदाणी समूह, प्रमुख नियामक संस्थाएं तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच की 'खतरनाक सांठगांठ' है।

कांग्रेस ने एक बार फिर सेबी प्रमुख माधवी बुच पर हितों के टकराव का आरोप लगाया है।मुख्य विपक्षी दल का आरोप है कि बुच ने अपनी संपत्ति 'इंडियाबुल्स' समूह से जुड़े एक व्यक्ति से संबंधित कंपनी को किराये पर दे दी, जबकि यह कंपनी सेबी की जांच के दायरे में थी।

आरोपों पर बुच या अडानी समूह की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। कांग्रेस की तरफ से पहले लगाए गए आरोपों को बुच और अदाणी समूह ने खारिज किया था। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने संवाददाताओं से बातचीत में यह आरोप भी लगाया कि बुच 'प्रेडिबल हेल्थ प्राइवेट लिमिटेड' से भी जुड़ी हुई हैं और इसमें उनकी इक्विटी है तथा सेबी की पूर्णकालिक सदस्य बनने के बाद भी उन्होंने कंपनी में शेयर रखना जारी रखा है।

खेड़ा का दावा है कि प्रेडिबल हेल्थ प्राइवेट लिमिटेड में निवेश करने वाली कंपनी 'जेसेसा इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड' का नाम 'पैराडाइज पेपर्स' मामले में आया था। राहुल गांधी ने 'यूट्यूब' पर एक वीडियो पोस्ट कर कहा, ''भारत के संस्थागत ढांचे में 'एकाधिकार बचाओ सिंडिकेट' उदय के साथ खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। इस सिंडिकेट के मूल में अदाणी, प्रमुख नियामक संस्थाओं और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा के बीच एक खतरनाक सांठगांठ है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि अदाणी डिफेंस वेबसाइट से पता चलता है कि कैसे कंपनी केवल विदेश निर्मित हथियारों की रीब्रांडिंग करके मुनाफा कमाती है, जबकि युवा सैनिकों और उनके परिवारों के प्रशिक्षण, पेंशन और कल्याण के लिए जरूरी राशि को 'अग्निपथ' जैसी योजनाओं के माध्यम से हटा दिया जाता है। गांधी ने दावा किया, ''यह विश्वासघात राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करता है और हमारे युवाओं के भविष्य को खतरे में डालता है।''

मायावती ने बीजेपी-कांग्रेस पर लगाया आरक्षण खत्म करने की साजिश का आरोप

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री सुप्रीमो मायावती ने भाजपा और कांग्रेस पर आरोप लगाया है कि यह पार्टियां दलितों और पिछड़ों को मिलने वाले आरक्षण कोटे में बंटवारा करने वाली एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं। इन दलों के कारण दलित समाज और संविधान को चोट पहुंचाने का खतरा घटा नहीं बल्कि बढ़ा है। सोशल साइट्स एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा है कि आरक्षण को खत्म करने के लिए कोटे में बंटवारा किया जा रहा है। बसपा सुप्रीमो ने 29 अक्टूबर मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखते हुए कहा है कि देश के करोड़ों शोषित व उपेक्षित दलितों के आरक्षण विरोधी और उनकी आपसी एकता की दुश्मन जातिवादी पार्टियों द्वारा आरक्षण में कोटे के बंटवारा किया जा रहा है। हरियाणा की भाजपा सरकार के बाद अब तेलंगाना व कर्नाटक की कांग्रेस सरकार द्वारा भी दलितों को बांटने के लिए उनके आरक्षण के भीतर आरक्षण की नई व्यवस्था को लागू किया गया है।

सरकार की बढ़ी चिंता कहा- एआई के चलते नौकरियां खतरे में हैं या नहीं इस पर नजर रखे

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने चिंता जाहिर करते हुए कहा है कि एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस बहुत तेजी से नौकरियां खत्म कर रहा है। इस तरह के कयास लगाए जा रहे हैं इसमें कितनी सच्चाई इस पर सख्त निगरानी रखते हुए रिपोर्ट तैयार करें। वित्त मंत्रालय ने अपनी मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा कि उपभोक्ता धारणा में नरमी और सामान्य से अधिक बारिश के कारण लोगों की सीमित आवाजाही के बीच शहरी मांग में आई नरमी पर नजर रखने के साथ ही यह भी कहा है कि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के कारण कामगारों की नौकरियां खत्म होने से संबंधित कयास पर आधारित रिपोर्टों पर भी निगाह रखने की जरूरत है।

कुछ खाद्य वस्तुओं से प्रभावित होने वाली शीर्ष मुद्रास्फीति अर्थव्यवस्था में मौजूद मांग का आकलन करने का सबसे सटीक पैमाना नहीं हो सकती है।' वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में मुद्रास्फीति 4.6 फीसदी रही जो एक साल पहले की समान अवधि में 5.5 फीसदी रही थी। जहां तक शहरी मांग का सवाल है तो मासिक समीक्षा में कहा गया है कि त्योहारी सीजन और उपभोक्ता धारणा में सुधार होने से आगे शहरी इलाकों में मांग को बढ़ावा मिल सकता है मगर शुरुआती संकेत अधिक उत्साहजनक नहीं थे। मगर वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया है कि रोजमर्रा के उपभोग की वस्तुओं की बिक्री बढ़ने और तिपहिया एवं ट्रैक्टरों की बिक्री में तेजी से पता चलता है कि ग्रामीण मांग में सुधार हो रहा है। समीक्षा में कहा गया है कि भू-राजनीतिक संघर्ष बढ़ने, भू-आर्थिक बिखराव और कुछ वित्तीय बाजारों में अधिक मूल्यांकन के कारण परिसंपत्ति पर कुछ नकारात्मक प्रभाव दिख सकते हैं। इससे परिवारों की धारणा प्रभावित हो सकती है और भारत में कंज्यूमर ड्यूरेबल पर खर्च करने का उनका इरादा बदल सकता है। सितंबर महीने की रिपोर्ट में कहा गया है कि आगे चलकर खाद्यान्न के पर्याप्त बफर स्टॉक और खरीफ फसल से जबरदस्त पैदावार की उम्मीद से कीमतों पर दबाव कम होने के आसार हैं। समीक्षा में कहा गया है कि कुछ सब्जियों की कीमतों में तेज वृद्धि को छोड़ दिया जाए तो मुद्रास्फीति काफी हद तक नियंत्रण में है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मुद्रास्फीति को लेकर परिवारों और कारोबारियों की उम्मीदों में नरमी दिख रही है। भारतीय रिजर्व बैंक और भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के सर्वेक्षणों से भी ऐसा ही संकेत मिलता है। वित्त मंत्रालय ने कहा है कि चालू वित्त में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 6.5 से 7 फीसदी के दायरे में रहने का अनुमान है। इसे मुख्य तौर पर बाहरी क्षेत्र में स्थिरता, सकारात्मक कृषि परिदृश्य, त्योहारी सीजन से मांग में दम और सरकारी खर्च में वृद्धि के कारण निवेश गतिविधियों में तेजी से बल मिलेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि विनिर्माण की रफ्तार में कुछ नरमी दिखी है जबकि विनिर्माण पर आरबीआई के सर्वेक्षण में

आगामी तिमाहियों के दौरान कारोबारी अपेक्षाओं में सुधार होने के संकेत दिए गए हैं। विनिर्माण के लिए पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स घटकर सितंबर में 56.5 रह गया था।

पैपराजी के साथ असभ्य व्यवहार करने पर बोलीं काजोल, मेरे भी अच्छे बुरे दिन होते हैं

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल हमेशा अपनी बातों और व्यवहार से सबका दिल जीत लेती हैं। हालांकि, पैपराजी के साथ उनके रूड बिहेवियर को लेकर अक्सर चर्चा होती रहती है। इसको लेकर काजोल ने कहा कि वह हमेशा पैपराजी के साथ रूड नहीं होती हैं। वह बोलीं कि हमेशा नाराज नहीं होती हैं, उनके भी बुरे दिन होते हैं।

पैपराजी से असभ्य व्यवहार को लेकर कही बात

काजोल ने कहा कि वह अपने असभ्य व्यवहार के कारण चर्चा में रहती हैं। सोशल मीडिया पर उन्होंने कुछ बातें कही हैं। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन साझा होने वाली इन पोस्ट के लिए लोग कई बार वो नहीं दिखाते जो सच में होता है। इसके लिए कई लोग दिखावा भी करते हैं। लोगों के सामने परफेक्शन दिखाना नहीं आता काजोल ने कहा कि उनका मानना है परफेक्शन ये नहीं दिखाता कि लोग कैसे हैं। रियल लाइफ रील लाइफ से अलग होती है। लोग अपनी तस्वीरों और बोलने के तरीका बहुत ही सावधानी से पैपराजी के सामने रखते हैं। काजोल ने कहा कि वह सोशल मीडिया पर या लोगों के सामने अपनी किसी एक खास छवि को बनाने की कोशिश करती हैं। मुझे गुस्सा आता है, मेरे भी अच्छे और बुरे दिन होते हैं। मैं ऐसी ही हूं, मुझे नहीं लगता कि मैं इसे ठीक कर सकती हूं।

काजोल को ज्यादा पसंद नहीं है सोशल मीडिया की जिंदगी

इंडियन एक्सप्रेस के साथ एक साक्षात्कार में काजोल ने कहा, मैं आभारी हूं कि मैंने सोशल मीडिया के बिना पूरी जिंदगी जी है। मैं छह साल पहले ही सोशल मीडिया पर आई हूं। साथ ही, यह असल जीवन नहीं है। आप रेड कार्पेट पर मेरी तस्वीर देखेंगे, लेकिन आप यह नहीं देखेंगे कि मैं तैयार होने के लिए सुबह 5 बजे उठी, रात 11.30 बजे थकी हुई वापस आई और अगली सुबह, मैं काम पर वापस आ गई।

द साबरमती रिपोर्ट जैसी खास फिल्म का हिस्सा बनना चाहती थी

यंग पैन इंडिया स्टार राशि खन्ना हाल ही में एक इवेंट में शामिल हुईं, जहाँ उन्होंने अपनी आने वाली फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' के बारे में चर्चा की। बातचीत के दौरान, उन्होंने अपने अनुभव और इस प्रोजेक्ट को चुनने के पीछे की प्रेरणा के बारे में खुलकर बात की। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने यह फ़िल्म क्यों चुनी, तो राशि ने बताया, मैं एक व्यक्ति के तौर पर और एक एक्टर के तौर पर अलग हूं। और जब मुझे सच्चाई को दिखाने का ऐसा अवसर मिलता है, जिसने किसी न किसी तरह से हमारे इतिहास को आकार दिया है, तो मैं सबसे आगे रहूंगी। उन्होंने अपने किरदार निभाने के कठिन निर्णय के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा, मैंने अपने फैक्ट्स चेक किये। यह कोई आसान निर्णय नहीं था और मैं इसके बारे में बताना चाहती थी। मैं समझना चाहती थी कि क्या हुआ था और साबरमती जैसी किसी खास चीज़ का हिस्सा बनना चाहती थी। आप मेरी फ़िल्मों से देखेंगे कि मैं किन चीज़ों के लिए स्टैंड लेती हूं।

फिल्म में पत्रकार की भूमिका निभा रहीं राशि ने इसके संदेश और ट्रेलर से दर्शकों को क्या उम्मीद करनी चाहिए, इस बारे में जानकारी साझा की, ऐसी कई चीज़ें हैं, जो शायद ट्रेलर में भी सामने आएंगी। इसके अलावा उन्होंने आगे कहा, एक अभिनेता के तौर पर हमारी सामाजिक ज़िम्मेदारियाँ होती हैं और मैं सिर्फ़ ऐसी भूमिका नहीं निभा सकती जिसके बारे में मुझे पता हो कि इसका दर्शकों पर क्या असर होगा। बेशक, हम इस बात से अवगत थे और यही वजह है कि मुझे लगता है कि हमारी टीम ने भी विशेष प्रयास किया। उन्होंने सच्चाई को सामने लाने के लिए सालों तक काम किया है। और यही बात मुझे इस फ़िल्म की ओर आकर्षित करती है, वरना मैं इसे कभी नहीं करती। हाल ही में रिलीज़ किए गए टीज़र के साथ, दर्शक यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि फ़िल्म में क्या देखने को मिलेगा। फ़िल्म द साबरमती रिपोर्ट में राशि खन्ना के साथ विक्रांत मैसी हैं। फिल्म में राशि साबरमती एक्सप्रेस घटना के पीछे की सच्चाई को उजागर करने के मिशन पर एक पत्रकार की भूमिका निभा रही हैं। धीरज सरना द्वारा निर्देशित यह फ़िल्म 27 फरवरी, 2002 को गुजरात के गोधरा रेलवे स्टेशन के पास हुई दुखद घटनाओं को दर्शाती है। यह 15 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। द साबरमती रिपोर्ट के अलावा, राशि खन्ना विक्रांत मैसी के साथ तलाखों में एक नाम की एक और फिल्म में फिर से काम करने के लिए तैयार हैं, जो जल्द ही रिलीज होगी। इसके अलावा उनकी एक तेलुगु फिल्म तेलुसु कड़ा भी पाइपलाइन में है।

सुरभि ज्योति ने कंफर्म की शादी की खबरें, तस्वीर साझा कर की घोषणा

सुरभि ज्योति अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। पिछले कई दिनों से अभिनेत्री अपनी शादी को लेकर फैंस के बीच सुर्खियां बटोर रही थीं। हालांकि, अब अभिनेत्री ने खुद ही इन खबरों पर मुहर लगा दी है। कुबूल है की अभिनेत्री अपने लॉन्गटाइम बॉयफ्रेंड, अभिनेता सुमित सूरी से 27 अक्तूबर, 2024 को उत्तराखंड के जिम कॉर्बेट में अहाना लग्जरी रिसॉर्ट में शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। इस जोड़े ने शनिवार को अपनी शादी की पुष्टि की और रोमांटिक तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरें शेयर करते हुए सुरभि ने लिखा, ये जड़ें गहरी हैं, धूप और बारिश और कई कहानियां लेकर चलती हैं। सुमित और मैंने प्रकृति की पवित्र छत्रछाया में, ऊंचे खड़े पेड़ों और हमें संपूर्ण बनाए रखने वाले पांच तत्वों का सम्मान करते हुए, यहां अपनी यात्रा शुरू करने का फैसला किया है। तस्वीरों में सुरभि लाइम ग्रीन पटियाला सूट पहने हुए नजर आईं। वहीं सुमित ने ज्योति के साथ मिलकर कढ़ाई वाला कुर्ता पहना हुआ था। जो शादी करने वाले इस कपल ने जिम कॉर्बेट के जंगल में पोज दिया है।

इस खास जगह होगा विवाह

खबर है कि दोनों अपने करीबी दोस्तों और परिवार की मौजूदगी में शादी करेंगे। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि सुरभि और सुमित की शादी में पर्यावरण को लेकर कुछ अनुष्ठान शामिल होंगे। पहले इस कपल ने इस साल मार्च में शादी करने की योजना बनाई थी और राजस्थान में जगह की तलाश भी शुरू कर दी थी। लेकिन, जगह और तैयारी से जुड़ी समस्याओं के कारण उन्होंने शादी की तारीख को आगे बढ़ाने का फैसला किया। बता दें कि सुरभि और सुमित लंबे समय से दोस्त हैं। उन्होंने पहले एक म्यूजिक वीडियो, हंजी - द मैरिज मंत्रा में साथ काम किया था, जिसमें उन्होंने दूल्हा-दुल्हन की भूमिका निभाई थी। उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री असल जिंदगी में रोमांस में बदल गई।

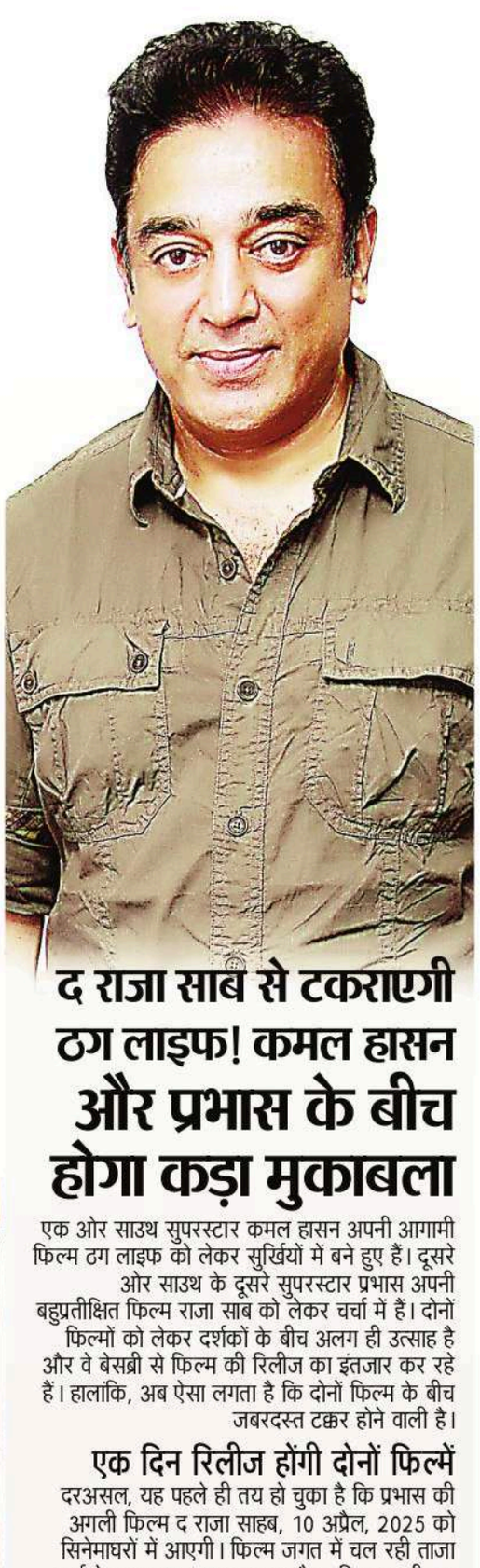

द राजा साब से टकराएगी ठग लाइफ! कमल हासन और प्रभास के बीच होगा कड़ा मुकाबला

एक ओर साउथ सुपरस्टार कमल हासन अपनी आगामी फिल्म ठग लाइफ को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। दूसरे ओर साउथ के दूसरे सुपरस्टार प्रभास अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म राजा साब को लेकर चर्चा में हैं। दोनों फिल्मों को लेकर दर्शकों के बीच अलग ही उत्साह है और वे बेसब्री से फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, अब ऐसा लगता है कि दोनों फिल्म के बीच जबरदस्त टक्कर होने वाली है।

एक दिन रिलीज होंगी दोनों फिल्में

दरअसल, यह पहले ही तय हो चुका है कि प्रभास की अगली फिल्म द राजा साहब, 10 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में आएगी। फिल्म जगत में चल रही ताजा चर्चा के अनुसार, कमल हासन और मणिरत्नम की ठग लाइफ भी उसी तारीख को रिलीज होने की उम्मीद है। शुरुआत में, ठग लाइफ को दिसंबर 2024 में रिलीज करने की योजना बनाई गई थी, लेकिन उत्पादन में देरी के कारण इसे टाल दिया गया।

कड़े मुकाबले के लिए तैयार सितारे

अगले साल दो बड़ी फिल्में एक ही तारीख यानी 10 अप्रैल, 2025 को रिलीज होने वाली हैं। यह एक रोमांचक क्लैश बनाता है, क्योंकि दोनों फिल्में पूरे भारत में रिलीज होंगी। प्रभास और कमल हासन जैसे सितारों के साथ यह प्रशंसकों के लिए एक बड़ा रोमांचक मुकाबला होगा। प्रभास की फिल्म राजा साब मारुति द्वारा निर्देशित है और इसमें कॉमेडी और हॉरर का मिश्रण है। इस शैली ने रुचि पैदा की है और थमन के संगीत के साथ प्रशंसक इसे देखने के लिए उत्सुक हैं। राजा साब में मालविका मोहनन और निधि अग्रवाल भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। दूसरी तरफ मणिरत्नम द्वारा निर्देशित ठग लाइफ में कमल हासन के साथ-साथ कई प्रतिभाशाली कलाकार हैं। फिल्म में सिलंबरासन उर्फ सिम्बू, जोजू जॉर्ज, अली फजल और कई अन्य कलाकार हैं।

...अब वरुण धवन के साथ रोमांस करेंगी पूजा हेगड़े

पूजा हेगड़े डेविड धवन की आगामी फिल्म में वरुण धवन के साथ अभिनय करने के लिए तैयार हैं, जो अभिनेता के साथ उनकी पहली ऑनस्क्रीन जोड़ी होगी। शुरुआत में खबरें थीं कि श्रीलीला इस भूमिका में बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करेंगी। श्रीलीला गुंटूर कारम और भगवंत केसरी जैसी दक्षिण भारतीय फिल्मों में अपनी भूमिकाओं के लिए जानी जाती हैं। हालांकि, परियोजना के करीबी सूत्रों ने अब पुष्टि की है कि वरुण धवन की फिल्म में श्रीलीला के बजाय प्रमुख महिला के रूप में पूजा हेगड़े चुना गया है। रिपोर्ट के अनुसार अभिनेत्री पूजा हेगड़े को डेविड धवन की आगामी फिल्म में वरुण धवन के साथ अभिनय करने के लिए चुना गया है।

हाल ही में पूजा हेगड़े ने कुछ आगामी घोषणाओं का खुलासा किया, लेकिन उन्होंने कहा कि इस बारे में प्रोडक्शन हाउस को ही बात करनी चाहिए। उन्होंने कहा, मेरे पास कई घोषणाएं हैं। मैंने प्रोडक्शन हाउस को इसकी घोषणा करने का अधिकार दे दिया है। आगे चलकर आप मुझे अलग-अलग भूमिकाओं में देखेंगे। इस साल मैंने एक कदम पीछे हटकर अपनी पूरी फिल्मोग्राफी देखने और यह तय करने का फैसला किया कि मैं आगे क्या करना चाहता हूं। इस प्रोजेक्ट में मृणाल ठाकुर भी हैं और वरुण और उनके पिता डेविड धवन फिर से साथ आ रहे हैं।

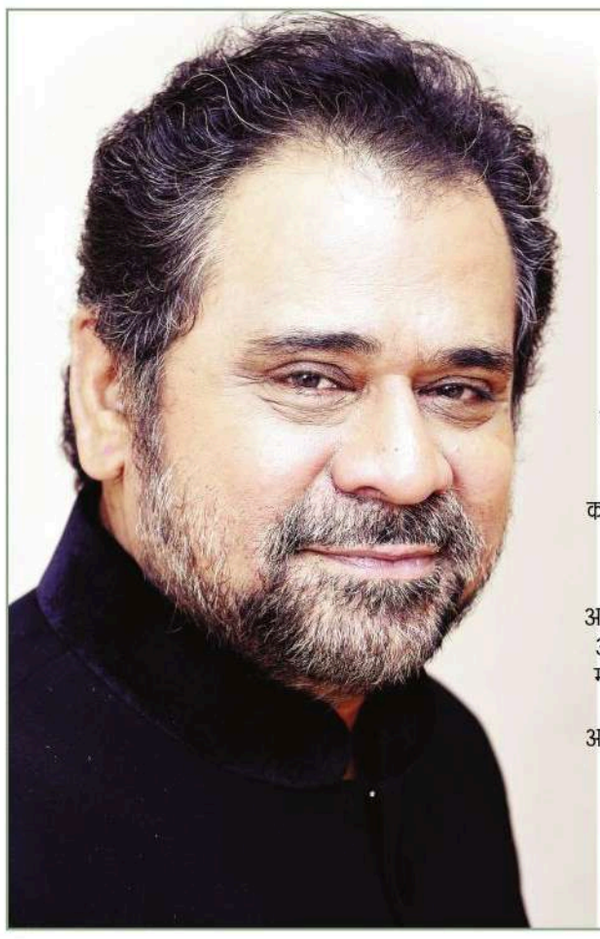

सिंघम अगेन की दस्तक से पहले अनीस बज्मी के साथ अजय देवगन की नई फिल्म नाम का एलान

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म सिंघम अगेन की रिलीज के लिए तैयार हैं। वे फिल्म की टीम के साथ जोर-शोर से इसका प्रचार करने में व्यस्त हैं। इस बीच अब अभिनेता के प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर सामने आई है। सिंघम अगेन की रिलीज से पहले अजय देवगन की एक और नई फिल्म का एलान हो गया है। निर्माताओं ने फिल्म का पोस्टर जारी कर इसकी रिलीज की तारीख से भी पर्दा उठाया है।

इस दिन रिलीज होगी नाम

अजय देवगन की नई फिल्म का नाम है। इसका निर्देशन अनीस बज्मी करेंगे। अजय देवगन और अनीस बज्मी की मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म नाम 22 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। यह अजय के साथ अनीस की चौथी फिल्म होगी। इससे पहले वे हलचल, प्यार तो होना ही था और दीवानगी में काम कर चुके हैं।

फिल्म की कहानी

नाम के निर्माताओं ने फिल्म के पोस्टर के साथ खुशखबरी की घोषणा की। पहले माना जा रहा था कि यह फिल्म 2022 में रिलीज होगी। हालांकि, कई बार टलने के बाद अब यह फिल्म 22 नवंबर को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नाम एक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर है, जिसमें एक व्यक्ति अपनी याददाश्त खो देता है और अपनी पहचान खोजने के लिए यात्रा पर निकल पड़ता है। फिल्म की शूटिंग स्विट्जरलैंड और मुंबई में हुई है। इस फिल्म में पहले प्रियंका चोपड़ा मुख्य भूमिका में थीं, लेकिन उन्होंने मना कर दिया और उनकी जगह समीरा रेड्डी को लिया गया। नाम में भूमिका चावला भी हैं। आगामी फिल्म का निर्माण अनिल रूंगटा ने किया है। अभिनेता की नई फिल्म के एलान के बाद से प्रशंसक बेहद खुश हैं। इस फिल्म में अजय देवगन एक्शन करते हुए भी नजर आएंगे।

अजय-अनीस की आने वाली फिल्में

इस बीच अनीस बज्मी अपनी अगली फिल्म भूल भुलैया 3 की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं , जिसमें कार्तिक आर्यन, तृप्ति डिमरी, विद्या बालन और माधुरी दीक्षित मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म 1 नवंबर को रिलीज होगी। दिलचस्प बात यह है कि यह फिल्म अजय देवगन की सिंघम अगेन के साथ भिड़ेगी।

आयुष्मान-रश्मिका की फिल्म में किरदार सनकी और हिंसक होगा नवाजुद्दीन का किरदार

नवाजुद्दीन सिद्दीकी को आगामी वैम्पायर कॉमेडी फिल्म थम्बा में खलनायक की भूमिका निभाने के लिए चुना गया है। आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना अभिनीत यह फिल्म निर्माता दिनेश विजान की हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स का एक हिस्सा है। यह खबर ऐसे समय में आई है, जब पिछले महीने ही इस परियोजना का नाम बदलकर मूल शीर्षक वैम्पायर्स ऑफ विजय नगर से बदलकर थम्बा कर दिया गया था। थम्बा में नवाजुद्दीन सिद्दीकी का किरदार सनकी और हिंसक बताया गया है, जो प्राचीन विजयनगर साम्राज्य से ताल्लुक रखता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, नवाजुद्दीन के खलनायक के किरदार की कल्पना एक विलक्षण, लेकिन हिंसक चरित्र के रूप में की गई है, जो सदियों पहले रहता था। वह बदला लेने और दो प्रमुख पात्रों के भाग्य को नियंत्रित करने के लिए वर्तमान में यात्रा करता है। थम्बा के मुख्य कलाकारों ने अपनी भूमिकाओं के लिए तैयारी शुरू कर दी है। रश्मिका मंदाना का लुक टेस्ट पिछले महीने हुआ था, जबकि खुराना का गुरुवार को है। आदित्य सरपोतदार के निर्देशन में यह फिल्म नवंबर के अंत या दिसंबर की शुरुआत में रिलीज होने की उम्मीद है।

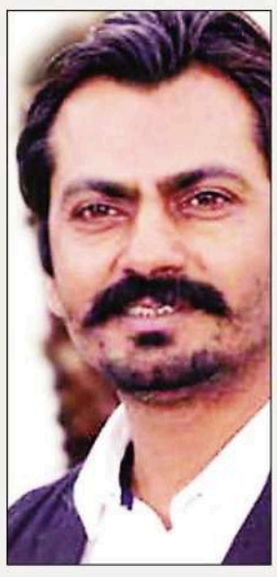

दीपावली पर सुबह से लेकर रात तक की जरूरी बातें

ब्रह्म पुराण के अनुसार दिवाली पर अर्धरात्रि के समय महालक्ष्मीजी सद्ग्रहस्थों के घरों में विचरण करती हैं। इस दिन घर-बाहर को साफ-सुथरा कर सजाया-संवारा जाता है। दीपावली मनाने से श्री लक्ष्मीजी प्रसन्न होकर स्थायी रूप से सद्गृहस्थ के घर निवास करती हैं। दीपावली धनतेरस, नरक चतुर्दशी तथा महालक्ष्मी पूजन, गोवर्धन पूजा और भाईदूज-इन 5 पर्वों का मिलन है। मंगल पर्व दीपावली के दिन सुबह से लेकर रात तक क्या करें कि महालक्ष्मी का घर में स्थायी निवास हो जाए. आइए जानें विस्तार से. दीपावली के पूजन की संपूर्ण विधियां दी गई हैं। फिर भी संक्षेप में 25 बिंदुओं से जानें कि क्या करें इस दिन -

- प्रातः स्नानादि से निवृत्त हो स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
- अब निम्न संकल्प से दिनभर उपवास रहें- मम सर्वापच्छांतिपूर्वकदीर्घायुष्यबलपुष्टिनैरुज्यादि - सकलशुभफल प्राप्त्यर्थं गजतुरगरथराज्यैश्वर्यादिसकलसम्पदामुत्तरोत्त राभिवृद्ध्यर्थं इंद्रकुबेरसहितश्रीलक्ष्मीपूजनं करिष्ये।
- दिन में पकवान बनाएं या घर सजाएं। बड़ों का आशीर्वाद लें।
- सायंकाल पुनः स्नान करें।
- लक्ष्मीजी के स्वागत की तैयारी में घर की सफाई करके दीवार को चूने अथवा गेरू से पोतकर लक्ष्मीजी का चित्र बनाएं। (लक्ष्मीजी का चित्र भी लगाया जा सकता है।)
- भोजन में स्वादिष्ट व्यंजन, कदली फल, पापड़ तथा अनेक प्रकार की मिठाइयां बनाएं।
- लक्ष्मीजी के चित्र के सामने एक चौकी रखकर उस पर मौली बांधें।
- इस पर गणेशजी की मिट्टी की मूर्ति स्थापित करें।
- फिर गणेशजी को तिलक कर पूजा करें।
- अब चौकी पर छः चौमुखे व 26 छोटे दीपक रखें।
- इनमें तेल-बत्ती डालकर जलाएं।
- फिर जल, मौली, चावल, फल, गुड़, अबीर, गुलाल, धूप आदि से विधिवत पूजन करें।
- पूजा के बाद एक-एक दीपक घर के कोनों में जलाकर रखें।
- एक छोटा तथा एक चौमुखा दीपक रखकर निम्न मंत्र से लक्ष्मीजी का पूजन करें- नमस्ते सर्वदेवानां वरदासि हरेः प्रिया। या गतिस्त्वत्प्रपन्नानां सा मे भूयात्वदर्चनात? साथ ही निम्न मंत्र से इंद्र का ध्यान करें- ऐरावतसमारूढो वज्रहस्तो महाबलः। शतयज्ञाधिपो देवस्तमा इंद्राय ते नमः? पश्चात निम्न मंत्र से कुबेर का ध्यान करें- धनदाय नमस्तुभ्यं निधिपद्माधिपाय च। भवंतु त्वत्प्रसादान्मे धनधान्यादिसम्पदः?
- इस पूजन के पश्चात तिजोरी में गणेशजी तथा लक्ष्मीजी की मूर्ति रखकर विधिवत पूजा करें।
- तत्पश्चात इच्छानुसार घर की बहू-बेटियों को रुपए दें।
- लक्ष्मी पूजन रात के बारह बजे करने का विशेष महत्व है।
- इसके लिए एक पाट पर लाल कपड़ा बिछाकर उस पर एक जोड़ी लक्ष्मी तथा गणेशजी की मूर्ति रखें।
- समीप ही एक सौ रुपए, सवा सेर चावल, गुड़, चार केले, मूली, हरी ग्वार की फली तथा पांच लड्डू रखकर लक्ष्मी-गणेश का पूजन करें।
- उन्हें लड्डुओं से भोग लगाएं।
- दीपकों का काजल सभी स्त्री-पुरुष आंखों में लगाएं।
- फिर रात्रि जागरण कर गोपाल सहस्रनाम पाठ करें।
- व्यावसायिक प्रतिष्ठान, गद्दी की भी विधिपूर्वक पूजा करें।
- रात को बारह बजे दीपावली पूजन के उपरान्त चूने या गेरू में रुई भिगोकर चक्की, चूल्हा, सिल तथा छाज (सूप) पर तिलक करें।
- दूसरे दिन प्रातःकाल चार बजे उठकर पुराने छाज में कूड़ा रखकर उसे दूर फेंकने के लिए ले जाते समय कहें - लक्ष्मी-लक्ष्मी आओ, दरिद्र-दरिद्र जाओ।

दीपावली की रात इन जगहों पर जरूर रखें दीप जलाकर

दीपावली पर अकसर द्वार, तुलसी या पूजा स्थान पर दीपक जलाकर रखे जाते हैं। हालांकि कुछ ऐसी भी जगहें हैं जहां पर कुछ लोग ही दीये जलाकर रखते होंगे। आओ जानते हैं कि दीवाली की रा?त को कितनी जगहों पर दीपक जलाकर रखना चाहिए। जानिए इससे मिलने वाला लाभ के बारे में भी।

1. दिपावली के दिन लक्ष?मी की पूजा करने के लिए एक दीपक जलाया जाता है। वह दीपक पीतल या स्टील का होता है। यह सात मुखी दीपक होता है जिससे माता लक्ष्मी प्रसन्न होती है।
2. कहते हैं कि दीपावली की रात को देवालय में गाय के दूध का शुद्ध घी का दीपक जलाना चाहिए। इससे तुरंत ही कर्ज से छुटकारा मिलता है और आर्थिक तंगी दूर हो जाती है।
3. दीपावली की रात को तीसरा दीया तुलसी के पास जलाया जाता है। आपके घर में तुलसी नहीं है तो और किसी पौधे के पास यह दीया रख सकते हैं। इसे भगवान विष्णु और माता तुली प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं।
4. चौथा दीपक दरवाजे के बाहर दहलीज़ के दाएं और बाएं रखा जाता है और बनाई गई रांगोली के बीच में भी रखते हैं। इसे धन की मनोकामना पूर्ण होती है।
5. पांचवां दीया पीपल के पेड़ के नीचे रखकर आते हैं। इससे यम और शनि के दोष नहीं लगते हैं। साथ ही इससे धन की समस्या भी दूर होती है।
6. छठा दीपक पास के किसी मंदिर में रखना जरूरी होता है। इससे सभी देवी और देवता प्रसन्न होते हैं।
7. सातवां दीपक कचरा रखने वाले स्थान पर रखते हैं। इससे घर की नाकारात्मकता बाहर निकल जाती है।
8. आठवां बाथरूम के कोने में रखते हैं। इससे राहु और चंद्र के दोष समाप्त हो जाते हैं।
9. नौवां दीपक मुंडेर पर या आपके घर में गैलरी हो तो वहां रखते हैं।
10. दसवां घर की दिवारों पर की मुंडेर पर या बॉउंड्रीवाल पर रखते हैं।

अज्ञान पर ज्ञान की विजय का उत्सव दीपावली

दिवाली, जिसे संपूर्ण विश्व में प्रकाश के त्यौहार के रूप में जाना जाता है, बुराई पर अच्छाई की, अंधकार पर प्रकाश की तथा अज्ञान पर ज्ञान की विजय का त्यौहार है। आज के दिन घरों में रोशनी न केवल सजावट के लिए होती है,किंतु यह जीवन कथा सत्य को भी अभिव्यक्त करती है। प्रकाश अंधकार को मिटा देता है, और जब ज्ञान के प्रकाश से आपके अंदर का अंधकार मिट जाता है, आप में अच्छाई बुराई पर विजय प्राप्त कर लेती हैं।

दिवाली मुख्यतः प्रत्येक हृदय में ज्ञान के प्रकाश को प्रज्वलित करने के लिए मनाई जाती है, प्रत्येक घर में जीवन, प्रत्येक मुख पर मुस्कान लाने के लिए मनाई जाती है।

दिवाली शब्द दीपावली का लघु रूप है, जिस का शाब्दिक अर्थ है प्रकाश की पंक्ति। जीवन के बहुत से पहलुओं तथा स्तर होते हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि आप उन सभी पर प्रकाश डालें क्योंकि यदि आपके जीवन का एक भी पहलू अंधकार मय होगा तो, आपका जीवन कभी भी पूर्णता अभिव्यक्त नहीं हो सकेगा। इसलिए दिवाली में दीपों की पंक्तियां प्रज्वलित की जाती है कि आपको ध्यान रहे कि आपके जीवन के प्रत्येक पहलू को आपके ध्यान की तथा ज्ञान के प्रकाश की आवश्यकता है।

आपके द्वारा प्रज्वलित प्रत्येक दीप, सदगुण का प्रतीक है।प्रत्येक मनुष्य में सद्गुण होते हैं। कुछ में धैर्य होता है, कुछ में प्रेम, शक्ति, उदारता: अन्य में लोगों को संगठित करने की क्षमता होती है। आप में स्थित प्रकट मूल्य दिए के समान है।जैसे ही वह प्रज्ज्वलित हो जाएं,जागृत हो जाएं,दीवाली है।

केवल एक ही दीप का प्रज्वलित कर संतुष्ट न हो, हजार दीप प्रज्वलित करें। यदि आप में सेवा का भाव है, केवल उससे ही संतुष्ट न हो, अपने में ज्ञान का दीप जलाएं, ज्ञान अर्जित करें। अपने अस्तित्व के सभी पहलुओं को प्रकाशित करें। दिवाली का एक और गुण रहस्य पटाखों के फूटने में है। जीवन में आप कई बार पटाखों के समान होते हैं, अपनी दबी हुई भावनाओं, हताशा तथा क्रोध के साथ फूट पढ़ने के लिए तैयार। जब आप अपने राग-द्वेष, घृणा को दबाये रखते हैं फूट पढ़ने की सीमा पर पहुंच जाता है। पटाखे फोड़ने की क्रिया का प्रयोग हमारे पूर्वजों द्वारा, लोगों की भावनाओं की अभिव्यक्ति देने के लिए, एक मनोवैज्ञानिक अभ्यास के रूप में किया गया। जब आप बाहर विस्फोट देखते हैं तो आप अपने अंदर भी वैसी सम्वेदनाओं का अनुभव करते हैं। विस्फोट के साथ बहुत सा प्रकाश निकलता है। जब आप अपनी दबी हुई भावनाओं से मुक्त होते हैं तब आप खाली हो जाते हैं तथा अपने ज्ञान के प्रकाश का उदय होता है। ज्ञान की सभी जगह आवश्यकता है। यदि परिवार का एक भी व्यक्ति अंधकार में है,आप खुश नहीं रह सकते। अतः आप को अपने परिवार के प्रत्येक सदस्य में ज्ञान का प्रकाश स्थापित करना होगा। इससे समाज के प्रत्येक सदस्य तक ले जाएं, पृथ्वी के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाएं। जब सच्चा ज्ञान उदित होता है, उत्सव होता है। अधिकतर उत्सव में हम अपनी सजगता अथवा एकाग्रता को देते हैं।उत्सव में सजगता बनाए रखने के लिए, हमारे ऋषि यों ने प्रत्येक उत्सव को पवित्रता तथा पूजा विधियों से जोड़ दिया है। इसलिए दिवाली भी पूजा का समय है। दिवाली का आध्यात्मिक पहलू, उत्सव में गांभीर्य लाता है। प्रत्येक उत्सव में आध्यात्म होना चाहिए क्योंकि आध्यात्म से हीन उत्सव असत ही होता है।

कैसे करते थे हमारे पूर्वज महालक्ष्मी का आह्वान

पद्मानने पद्मिनी पद्मपत्रे पद्मप्रिये
पद्मदलायताक्षि विश्वप्रिये विश्वमनोनुकूले
त्वत्पादपद्मं मयि सन्निधस्त्व।।
हे लक्ष्मी देवी, आप कमलमुखी, कमलपुष्प पर विराजमान, कमल दल के समान नेत्रों वाली
कमल पुष्पों को पसंद करने वाली हैं।
सृष्टि के सभी जीव आपकी कृपा की कामना करते हैं,
आप सबको मनोनुकूल फल देने वाली हैं।
आपके चरण सदैव मेरे हृदय में स्थित हों।
विपुल ऐश्वर्य, सौभाग्य, समृद्धि और वैभव की अधिष्ठात्री देवी श्री महालक्ष्मी का पूजन, अर्चन, वंदन स्तवन का पर्व है दीपावली। दीपावली के अगणित दीपों के प्रकाश में विष्णुप्रिया महालक्ष्मी का आहवान किया जाता है।
अनुपम सौंदर्य और आरोग्य को देने वाली श्री महालक्ष्मी का दीपोत्सव की उजली बेला में आगमन भला कौन नहीं चाहेगा? हमारी संस्कृति में इस पर्व को अति विशिष्ट स्थान प्राप्त है और इस पर्व में महालक्ष्मी का महत्व अतुलनीय है। समुद्र मंथन के पश्चात श्री लक्ष्मी अवतरण से ही इस दैदीप्यमान त्योहार की कहानी आरंभ होती है। ऋग्वेद के दूसरे अध्याय के छठे सूक्त में आनंद कर्दम ऋषि द्वारा श्री देवी को समर्पित वाक्यांश मिलता है। इन्हीं पवित्र पंक्तियों को भारतीय जनमानस ने मंत्र के रूप में स्वीकारा है।
ऊँ हिरण्य वर्णा हरिणीं सुवर्णरजस्त्राम
चंद्रा हिरण्यमयी लक्ष्मी जात वेदो म्आवह। अर्थात हरित और हिरण्यवर्णा, हार, स्वर्ण और रजत सुशोभित चंद्र और हिरण्य आभा देवी लक्ष्मी का, हे अग्नि, अब तुम करो आहवान
इसी मंत्र की आगे सुंदर पंक्तियां हैं
'तामं आवह जात वेदो लक्ष्मी मनपगामिनीम,
यस्या हिरण्यं विदेयं गामश्वं पुरुषानहम
अश्वपूर्वा रथमध्यां हस्तिनाद प्रमोदिनीम,
श्रियं देवी मुपव्हयें श्रीर्मा देवी जुषताम।।
इसका काव्यात्मक अर्थ किया जाए तो इस तरह होगा कि -
'करो आह्वान हमारे गृह अनल, उस देवी श्री का अब, वास हो जिसका सदा और जो दे धन प्रचुर, गो, अश्व, सेवक, सुत सभी, अश्व जिनके पूर्वतर, मध्यस्थ रथ, हस्ति रव से प्रबोधित पथ, देवी श्री का आगमन हो, यही प्रार्थना है!

दीपोत्सव का समापन दिवस है भाईदूज

शास्त्रों के अनुसार भैयादूज अथवा यम द्वितीया को मृत्यु के देवता यमराज का पूजन किया जाता है। इस दिन बहनें भाई को अपने घर आमंत्रित कर अथवा सायं उनके घर जाकर उन्हें तिलक करती हैं और भोजन कराती हैं। ब्रजमंडल में इस दिन बहनें भाई के साथ यमुना स्नान करती हैं, जिसका विशेष महत्व बताया गया है। भाई के कल्याण और वृद्धि की इच्छा से बहने इस दिन कुछ अन्य मांगलिक विधान भी करती हैं। यमुना तट पर भाई-बहन का समवेत भोजन कल्याणकारी माना जाता है। पौराणिक कथा के अनुसार इस दिन भगवान यमराज अपनी बहन यमुना से मिलने जाते हैं। उन्हीं का अनुकरण करते हुए भारतीय भ्रातृ परम्परा अपनी बहनों से मिलती है और उनका यथेष्ट सम्मान पूजनादि कर उनसे आशीर्वाद रूप तिलक प्राप्त कर कृतकृत्य होती हैं। बहनों को इस दिन नित्य कृत्य से निवृत्त हो अपने भाई के दीर्घ जीवन, कल्याण एवं उत्कर्ष हेतु तथा स्वयं के सौभाग्य के लिए अक्षत (चावल) कुंकुमादि से अष्टदल कमल बनाकर इस व्रत का संकल्प कर मृत्यु के देवता यमराज की विधिपूर्वक पूजा करनी चाहिए। इसके पश्चात यमभगिनी यमुना, चित्रगुप्त और यमदूतों की पूजा करनी चाहिए। तदंतर भाई के तिलक लगाकर भोजन कराना चाहिए। इस विधि के संपन्न होने तक दोनों को व्रती रहना चाहिए।

दीपोत्सव का समापन दिवस है कार्तिक शुक्ल द्वितीय, जिसे भैयादूज कहा जाता है। इस पर्व के संबंध में पौराणिक कथा इस प्रकार मिलती है। सूर्य की संज्ञा से दो संतानें थीं- पुत्र यमराज तथा पुत्री यमुना। संज्ञा सूर्य का तेज सहन न कर पाने के कारण अपनी छायामूर्ति का निर्माण कर उसे ही अपने पुत्र-पुत्री को सौंपकर वहां से चली गई। छाया को यम और यमुना से किसी प्रकार का लगाव न था, किंतु यम और यमुना में बहुत प्रेम था। यमुना अपने भाई यमराज के यहां प्रायः जाती और उनके सुख-दुख की बातें पूछा करती। यमुना यमराज को अपने घर पर आने के लिए कहती, किंतु व्यस्तता तथा दायित्व बोझ के कारण वे उसके घर न जा पाते थे। एक बार कार्तिक शुक्ल द्वितीय को यमराज अपनी बहन यमुना के घर अचानक जा पहुंचे। बहन यमुना ने अपने सहोदर भाई को बड़ा आदर-सत्कार किया। विविध व्यंजन बनाकर उन्हें भोजन कराया तथा भाल पर तिलक लगाया। यमराज अपनी बहन से बहुत प्रसन्न हुए और उन्होंने यमुना को विधिव भेंट समर्पित की। जब वे वहां से चलने लगे, तब उन्होंने यमुना से कोई भी मनोवांछित वर मांगने का अनुरोध किया। यमुना ने उनके आग्रह को देखकर कहा- भैया! यदि आप मुझे वर देना ही चाहते हैं तो यही वर दीजिए कि आज के दिन प्रतिवर्ष आप मेरे यहां आया करेंगे और मेरा आतिथ्य स्वीकार किया करेंगे। इसी प्रकार जो भाई अपनी बहन के घर जाकर उसका आतिथ्य स्वीकार करे तथा उसे भेंट दें, उसकी सब अभिलाषाएं आप पूर्ण किया करें एवं उसे आपका भय न हो। यमुना की प्रार्थना को यमराज ने स्वीकार कर लिया। तभी से बहन-भाई का यह त्योहार मनाया जाने लगा। वस्तुतः इस त्योहार का मुख्य उद्देश्य है भाई-बहन के मध्य सौमनस्य और सद्भावना का पावन प्रवाह अनवरत प्रवाहित रखना तथा एक-दूसरे के प्रति निष्कपट प्रेम को प्रोत्साहित करना है। इस प्रकार 'दीपोत्सव-पर्व' का धार्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय महत्व अनुपम है।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक सम्पादक कृष्णा टेकड़ीवाल द्वारा डिजिटल अखबार कंकड़बाग पटना से प्रकाशित। समाचार पत्र में किसी भी समाचार व लेख-आलेख पर सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र पटना ही रहेगा। मोबाइल- 9801716267